दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 195
मुरादाबाद
(Wednesday)
04 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पुणे को मिली मेट्रो की नई सौगात: प्रधानमंत्री मोदी बोले- पुरानी सरकार रहती तो कई दशक और करना पड़ता इंतजार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो की लाइन-3 का उद्घाटन किया। मान-हिंजवडी से शिवाजीनगर तक 23.203 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर पर 23 स्टेशन बनाए गए हैं। शुरुआत में 17 स्टेशन यात्रियों के लिए खोले जाएंगे। मेट्रो सेवाएं चार नवंबर सुबह छह बजे से शुरू होंगी। पीएम मोदी ने कहा कि पुरानी सरकार की कार्यशैली जारी रहती तो पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई दशक और लग जाते।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पुणे मेट्रो की बहुप्रतीक्षित लाइन-3 का उद्घाटन किया। मान-हिंजवडी से शिवाजीनगर तक जाने वाली इस मेट्रो लाइन से पुणे के आईटी हब, प्रमुख व्यावसायिक और प्रशासनिक इलाकों के बीच आवाजाही आसान होने की उम्मीद है। हालांकि, यात्रियों के लिए मेट्रो सेवाएं चार नवंबर को सुबह छह बजे से शुरू होंगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कई बड़ी बातें कही। एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने कहा कि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया, तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था, शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लिविंग और ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन। और इसका नतीजा आज हम देख रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज, किसी शहर को दो मुख्य पैमानों पर परखा जाता है, पहला वह शहर कितना प्रतिस्पर्धी है? दूसरा, उसका ईज ऑफ़ लिविंग इंडेक्स (जीवन सुगमता सूचकांक) कितना ऊंचा है? मेट्रो परियोजनाएं इन दोनों पैमानों में योगदान देती हैं, जिससे शहर



अधिक कार्यकुशल, सुलभ और रहने के लिए बेहतर बनता है।पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज का दिन प्रो पीपल, प्रो एक्टिव गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है। हमारे देश में पहली मेट्रो 1984 में चली थी। उसके बाद के 30 साल में सिर्फ 248 किमी मेट्रो लाइन बनी। 2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती, तो पुणे में मेट्रो पहुंचने में कई और दशक लग जाते।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे शहर केवल रहने की जगह नहीं हैं। ये देश की आर्थिक गतिविधि के बड़े केंद्र भी हैं। हमें देश के सैकड़ों छोटे शहरों को ग्रोथ हब भी बनाना है। इसी विजन के साथ इस साल फरवरी में अर्बन चैलेंज फंड की स्वीकृति दी गई थी। इस फंड के लिए एक लाख करोड़ रुपये की मदद केंद्र सरकार दे रही है। इससे आने वाले वर्षों में देश के शहरों में लाखों करोड़ रुपये का निवेश जुटने का लक्ष्य है। मैं स्थानीय निकायों और प्राइवेट सेक्टर के साथियों से आगे आने का आग्रह करता हूं। हम सभी को मिशन मोड पर जुटना है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि पुणे शहर हमेशा से ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिनसे राष्ट्र और समाज को नई दिशा मिली है। आज पुणे विकसित भारत की नई ऊर्जा को भी दिशा दे रहा है। आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप... इनोवेशन से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, पुणे देश के युवाओं के लिए सपनों और संकल्प का स्थान है। ऐसे में यहां की मजबूत होती मेट्रो कनेक्टिविटी यहां के विकास को नई गति देने जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं, जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणे के लोगों के लिए ऐसा ही सुखद अवसर है। मुझे खुशी है कि आज पुणे मेट्रो की एक और लाइन का लोकार्पण हो रहा है। 10 वर्ष पहले मुझे पुणे में पहले चरण के काम के शिलान्यास का अवसर मिला था। अब हिंजेवाड़ी से शिवाजी नगर के बीच मेट्रो शुरू होने से पुणे के आईटी हब को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। आज जिस नई लाइन पर काम शुरू हुआ है, उससे पुणे के पुराने और नए इलाकों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मैं पुणे और महाराष्ट्र के सभी लोगों को बहुत-बहुत बधाई देता हूं।मोदी ने आगे कहा कि देश की अनेक पीढ़ियां गरीबी हटाओ के वादों और अवशेषों के बीच ही बड़ी हुई हैं। पहले गरीबी से लड़ाई सिर्फ नारों में थी, आज भारत गरीबी को हरा रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत वो देश है, जो सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था भी है और सबसे तेजी से गरीबी कम करने वाला भी है।

संक्षिप्त समाचार

किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकतः दिल्ली प्रदर्शन पर सुनवाई

दिल्ली के रामलीला मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे प्रदर्शन को लेकर व्यापारियों और प्रदर्शन आयोजकों के बीच विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। व्यापारियों का दावा है कि विरोध प्रदर्शन के कारण आसपास के बाजारों में कारोबार प्रभावित हो रहा है। रामलीला मैदान में मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। व्यापारियों के संगठनों ने त्योहारों के दौरान प्रदर्शन रोकने की मांग करते हुए याचिका दायर की है। इस पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि किसी प्रदर्शन स्थल पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं किया जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ मंगलवार को कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें किराना कमेटी दिल्ली की याचिका भी शामिल है। वाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा, आप किसी जगह पर हमेशा के लिए कब्जा नहीं कर सकते। किसान, पत्रकार और दूसरे लोग फिर कहां जाएंगे? हर किसी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है। इसके लिए तय समय और निर्धारित अवधि होनी चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने एक वकील से कहा, आप एक-एक करके अपनी दलील क्यों नहीं रखते? आप अदालत को मछली बाजार की तरह क्यों समझ रहे हैं? क्या आपको नहीं पता कि मैं आदेश लिखवा रहा हूं?

पीलीभीत में सीएम योगी बोले- रामराज्य में भेदभाव और तुष्टिकरण नहीं, हर वर्ग को सुरक्षा-सम्मान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पीलीभीत के बीसलपुर क्षेत्र में रामकथा के समापन समारोह में कहा कि रामराज्य ऐसी व्यवस्था है, जहां भेदभाव और तुष्टिकरण के बजाय समाज के हर वर्ग को सुरक्षा, सम्मान और समान अवसर मिले। उन्होंने 2017 से पहले प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था का उल्लेख किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामराज्य केवल धार्मिक अवधारणा नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था का प्रतीक है, जहां किसी के साथ भेदभाव और तुष्टिकरण न हो। किसान, नौजवान, व्यापारी और बेटियों समेत समाज के हर वर्ग को सुरक्षा, सम्मान और आगे बढ़ने का अवसर मिले। 2017 से पहले प्रदेश में दंगे और अराजकता की स्थिति थी, लेकिन आज सुरक्षा का वातावरण है। यही रामराज्य की संकल्पना है। पीलीभीत के बीसलपुर में मंगलवार को ग्राम नूरानपुर स्थित गोरक्ष पीठ आश्रम के शिव मंदिर परिसर में रामकथा के समापन अवसर पर मुख्यमंत्री ने व्यासपीठ पर विराजमान कथाव्यास संत अंजलि शरण का अभिनंदन कर संबोधन शुरू किया। उन्होंने मंच पर उपस्थित देवीपाटन के मिथिलेश महाराज, हनुमानगढ़ी के राजू दास समेत



अन्य संतों को नमन किया। कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इतने संतों का एक साथ आगमन किसी महाकुंभ से कम नहीं है। संतों का सानिध्य समाज को सकारात्मक दिशा देने की प्रेरणा देता है।मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए 500 वर्षों तक संघर्ष चला। एक समय था जब रामभक्तों को अयोध्या जाने से रोका जाता था। दो नवंबर को रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। उस समय रामनगरी में बुनियादी सुविधाओं का अभाव था। सड़कें बदहाल थीं और आवागमन के पर्याप्त साधन नहीं थे। आज तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। अयोध्या सड़क, रेल और हवाई मार्ग से जुड़ चुकी है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की सुविधा मिली है। अब प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर रहे हैं। पहले जहां अव्यवस्था और प्रतिबंध थे, वहीं आज श्रद्धालु सहजता से दर्शन कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि छह नवंबर को छोटी दीपावली पर अयोध्या में दीपोत्सव का आयोजन होगा। प्रभु श्रीराम के आगमन की स्मृति में जलने वाला एक-एक दीप केवल अयोध्या ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक चेतना को प्रकाशित करेगा। प्रदेश की सांस्कृतिक ऊर्जा देश के विकास में भी योगदान दे रही है। रामकथा और रामलीला हमारी संस्कृति की पहचान- सीएम सीएम ने कहा कि भारत की ताकत उसकी विविधता में एकता है। यहां अलग-अलग भाषा, वेशभूषा और खानपान होने के बावजूद सभी एक सूत्र में बंधे हैं। श्रीमद्भागवत और रामकथा की परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। फसल कटने के बाद गांव-गांव रामलीला का आयोजन और अखंड रामायण पाठ हमारी सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है। गांवों के कलाकार मिलकर रामलीला के माध्यम से भगवान राम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाते हैं। महर्षि वाल्मीकि ने राम के चरित्र को शब्दों में पिरोकर आने वाली पीढ़ियों को मर्यादा, कर्तव्य और आदर्श जीवन की प्रेरणा दी।काशी से बरेली तक धार्मिक स्थलों का विकास- मुख्यमंत्री ने काशी विश्वनाथ धाम का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले काशी में एक साथ दस श्रद्धालुओं के लिए भी दर्शन करना मुश्किल था, लेकिन आज हजारों श्रद्धालु एक साथ दर्शन कर रहे हैं। मथुरा-वृंदावन के विकास, बरेली की नाथ नगरी के रूप में पहचान और लखीमपुर के धार्मिक पर्यटन गलियारे का भी उल्लेख किया। निर्माण एवं विकास की बात करते थे। पिछले दिनों बरेली दौरे के दौरान भी उन्होंने इस आयोजन की चर्चा की थी। । उन्होंने कहा कि इसी परिसर में महंत शांतिनाथ महाराज की समाधि है। आज उनके नाम पर भंडारा और धार्मिक आयोजन हो रहा है। यह देखकर उनकी आत्मा को भी संतुष्टि मिल रही होगी। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री संजय गंगवार, एमएलसी सुधीर गुप्ता, संजीव प्रताप सिंह, विधायक बाबूराम पासवान, विवेक वर्मा, स्वामी प्रवक्तानंद, जिला पंचायत अध्यक्ष, आयोजक शंकर जी और महंत हनुमान नाथ महाराज समेत बड़ी संख्या में संत और श्रद्धालु मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सभी का अभिवादन करते हुए जय श्रीराम का उद्घोष किया।

पिंडरा पर अजय राय का दावाः पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने गौतम-मोना पर साधी चुप्पी, खुद को बताया राहुल का सिपाही

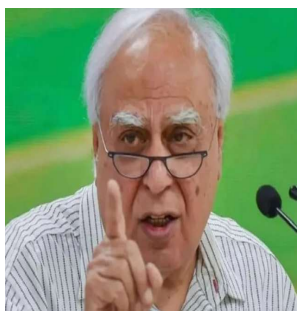
पिंडरा सीट के लिए अजय राय ने कहा कि पिंडरा को मैंने कभी विधानसभा नहीं माना, अपना परिवार माना है। 1993 से लगातार काम कर रहा हूं।बनारस में योगी सरकार के मंत्री और भाजपा के सारे विधायक जिसके खिलाफ आक्रोश सभा करते रहे, जिसने तीन लोकसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी के सामने ताल ठोकी, उस सेनापति को 2027 की लड़ाई से कुछ महीने पहले उसकी अपनी पार्टी ने हटा दिया।अपनी बेलौस जुबान के लिए पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अजय राय ने इस पर शिकायत का एक शब्द नहीं कहा। प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम और नई प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना पर हर सवाल से वह कटते रहे। हर बार एक ही जवाब पर लौटे कि 'राहुल गांधी का सिपाही हूं, आखिरी सांस तक साथ खड़ा रहूंगा।' पर एक बात



पर उन्होंने कोई कूटनीति नहीं बरती कि 'निश्चित तौर से पिंडरा से चुनाव लड़ूंगा।' सपा से सीट बंटवारा होने से पहले किया गया यह एलान अखिलेश यादव के लिए भी साफ संदेश है। अमर उजाला के पॉडकास्ट अनम्यूट भारत की यह बातचीत रामलीला मैदान में राहुल गांधी की वोट चोरी रैली से ठीक पहले रिकॉर्ड हुई थी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष उस दिन रैली की तैयारी बैठक करके गाजियाबाद से आए थे। हटाए जाने के कुछ दिन बाद ही वह राहुल की रैली के लिए भीड़ जुटा रहे थे। राय की आगे की राजनीति इसी तस्वीर में दिखती है- हटाने वालों पर चुप्पी, अपनी सीट पर दावा और वफादारी सीधे राहुल के नाम।अंदर कहां कमी रह गई, इस सवाल पर राय का जवाब दोधारी था की 'हो सकता है जिनको अवसर मिला है, वो ज्यादा काम कर पाएंगे, ज्यादा कार्यकर्ताओं का दिल जीत पाएंगे।' सुनने में यह शुभकामना थी, पर इसमें यह सवाल भी छिपा था कि चुनाव से ठीक पहले बदलाव की जरूरत क्या थी। पूछा गया कि जिसे सत्ता पक्ष खतरा मानता है, राय ने गौतम का नाम तक नहीं लिया और सीधे राहुल पर आ गए। राय बोले कि 'अकेला आदमी है जो छाती खोलकर लड़ रहा है। ये मेरा वचन है, उनको वचन दे चुका हूं।' गौतम के मन में क्या था, इस पर बोले कि 'वो मैं नहीं बता सकता। मेरे किसी से संबंध खराब नहीं हैं।'

लोकतंत्र नहीं, हमें बचाओ कहिए: कपिल सिब्बल ने भाजपा पर कसा तंज

इंडिया ब्लॉक की वोट बचाओ, देश बचाओ रैली में पांच से छह लाख लोगों के जुटने का दावा करते हुए कपिल सिब्बल ने भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को अपनी रैलियों का नाम हमें बचाओ रखना चाहिए। सिब्बल ने जंतर-मंतर की हिंसा और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस और विपक्षी दलों के इंडिया ब्लॉक की दिल्ली के रामलीला मैदान में हुई वोट बचाओ, देश बचाओ रैली को लेकर सियासत तेज हो गई है। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने दावा किया है कि इस रैली में करीब पांच से छह लाख लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शांतिपूर्ण तरीके से जुटना दिखाता है कि



देश के नागरिक सरकार के खिलाफ अपनी आवाज उठाना चाहते हैं। सिब्बल ने भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि अब उसे अपनी रैलियों का नाम लोकतंत्र बचाओ या देश बचाओ रखने के बजाय हमें बचाओ रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा विपक्ष की रैली में जुटी भीड़ से चिंतित है। कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि रामलीला मैदान में हुई रैली में उनके अनुमान के मुताबिक पांच से छह लाख लोग मौजूद थे। उन्होंने दावा किया कि कनॉट प्लेस और उससे जुड़ने वाली आसपास की सड़कों पर पूरी तरह जाम लगा हुआ था और कहीं भी खाली जगह दिखाई नहीं दे रही थी। सिब्बल के मुताबिक, इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जुटना भाजपा के लिए चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष की रैली में लोग शांतिपूर्वक शामिल हुए और हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। सिब्बल ने भाजपा की प्रस्तावित रैलियों को लेकर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि भाजपा भी अपनी लोकतंत्र बचाओ रैलियां आयोजित कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहतक पहुंचे तो वहां केवल 100 से 200 लोग मौजूद थे।

देश जलाने को तैयार हैं राहुल गांधीः भाटिया बोले- हिंसक प्रदर्शन भारतीयों के स्वभाव में नहीं

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने राहुल गांधी पर लोकतंत्र का गला घोंटने और देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ% मार्च का जिक्र करते हुए कहा कि भारतीय संविधान में विश्वास रखते हैं और हिंसक प्रदर्शनों को स्वीकार नहीं करते। भाटिया ने सत्ता की चाहत को लेकर राहुल गांधी की तुलना एक वेब सीरीज के किरदार से भी की।भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर लोकतंत्र को कमजोर करने और देश में अराजकता फैलाने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव



भाटिया ने कहा कि राहुल गांधी ऐसे नेता बन गए हैं, जो लोकतंत्र का गला घोंटकर अराजकता लाना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राहुल गांधी की राजनीति हिंसक विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा देने वाली है। भाटिया ने कहा कि भारत और भारतीय अराजकता तथा हिंसक प्रदर्शनों को पसंद नहीं करते। देश के लोगों का संविधान में विश्वास है और वे अराजकता को कुचल देते हैं।लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ मार्च का किया जिक्र गौरव भाटिया ने कहा कि भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं ने राहुल गांधी की राजनीति को देखा है। अध्यक्ष नितिन नबीन ने भी सोमवार को %लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ% मार्च में हिस्सा लिया था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मार्च निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। भाटिया ने कहा कि इन मार्चों का उद्देश्य देश में लोकतंत्र और सांविधानिक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता जाहिर करना है। उन्होंने कहा कि हिंसक प्रदर्शन भारतीयों की प्रकृति और उनके मूल्यों का हिस्सा नहीं हैं।

संपादकीय Editorial

Cleanliness is the soul of everyone's duty

Himachal's urban areas are gradually becoming garbage dumps. As Himachal citizens embrace modern lifestyles, they are criticizing various schemes, while the state's landscape continues to resonate. Despite numerous claims of waste disposal, the reality is that urban bodies are unable to anticipate their own needs. During a program in Shimla, Urban Development Minister Vikramaditya Singh outlined a plan to improve the system, making some changes in the future. Ironically, Shimla, which has been a key component of cleanliness since before independence, has now fallen behind in national rankings due to various reasons. The challenge is the same from Shimla to Chamba. A proper inspection of the dumping sites in all cities reveals that efforts are not complete, nor is there any sense of responsibility. Even if eight urban areas have been granted municipal corporation status, this remains unreviewed. Until a few years ago, Indore, Madhya Pradesh, was in a state of disrepair due to its filth, mismanagement, and the behavior of civil society. However, a municipal commissioner instilled a sense of responsibility in the sanitation system. As a result, where there were heaps of garbage, gardens now bloom. Ironically, Himachal's small towns and cities now sit atop heaps of filth. A daily funeral procession of cleanliness takes place at the Dharamshala dumping site. Despite years of efforts, if garbage continues to stink, then all the positions of the Urban Development Ministry are mere junk. Inspecting dumping sites across Himachal reveals a complete lack of resources and inefficiency. While changing lifestyles, market influences, and apathetic social attitudes may be contributing to the filth, the primary culprit is the shrinking role of local bodies. Himachal, which attracts 20 million tourists annually, lacks the research and resources to address the additional burden this creates.

Does the department have data on how much filth increases in Manali, Dharamshala, Shimla, or other religious sites due to tourist arrivals? Is there any study that can reveal how much filth is being spread in cities due to stray animals and monkeys? How much garbage is getting clogged in drains due to poor drainage management? How much garbage is being spread through major markets or highway tourism? From Parwanoo to Shimla, Nerchowk to Manali, Pathankot to Dharamshala, Kangra or Mandi, the roadside dhabas and food chain outlets are accumulating a stockpile of packaging material and bottles. Indeed, the current Himachal government made it mandatory to carry dustbins in taxis as soon as it came to power, but this system was neither inspected nor fully implemented. As a result, tourist vehicles dump tons of garbage at destinations in Himachal every day. Similarly, the rapid construction and transportation of construction materials in the state is increasing dust particles. There is no clear policy for disposal of the waste generated by the growing vegetable markets and food supply in the state. In such a situation, waste management should not be limited to local bodies, but should also be linked to the responsibilities of development, transportation, construction, and civil society. Garbage monitoring should not be limited to dumping sites alone, but should be reflected in future plans. If the entire state is to achieve excellence.

Reforms to the POCSO Act are Necessary

In its decision, the Supreme Court expressed concern over the misuse of the POCSO Act in the context of juvenile relationships, stating, "A copy of this decision be sent to the Law Secretary of the Government of India, so that possible steps can be taken to curb this problem." Courts expressed concern over the harsh application of the POCSO Act.

Calling for consideration of the misuse of the Act in juvenile relationships.

Amendments similar to the "Romeo-Juliet provision" were suggested. Recently, the Allahabad High Court, while ruling on a habeas corpus petition, made important observations on the connection between the strict application of the POCSO Act, 2012, and the social realities of India. This case involved a man against whom an FIR had been filed under the POCSO Act. The girl's parents had filed the case, stating that their daughter was a minor, even though the girl had expressed her desire to live with her partner before the court.

Taking into account harsh realities such as social conditions, illiteracy, and poverty, the Court stated, "The implementation of the POCSO Act may, in certain factual circumstances, produce results that appear to promote injustice rather than justice." The Court requested the Law Commission to consider possible amendments to the Act to grant special judges greater discretion in determining punishment in exceptional circumstances.

The Supreme Court had also recently considered questions related to the misuse of the POCSO Act in the case of State of Uttar Pradesh v. Aniruddha and others. This case concerned an FIR filed by the mother of a girl aged approximately 12, alleging that the girl had been abducted from her home. After the accused was granted bail by the Allahabad High Court, the State appealed to the Supreme Court.

In its decision, the Supreme Court expressed concern over the misuse of the POCSO Act in the context of juvenile relationships, stating, "A copy of this decision be sent to the Law Secretary of the Government of India so that possible steps can be considered to curb this problem." These steps, among other measures, may include the possibility of incorporating a "Romeo-Juliet" provision that would free teenage relationships from the harsh effects of this law. Consideration should also be given to establishing a mechanism to prosecute individuals who use these laws to settle scores or seek revenge. This concern of the Supreme Court is understandable, as the fundamental purpose of the legal system is to protect society and establish justice.

Decisions made during adolescence and the legal process associated with them can impact a person's reputation, education, and future. In this context, in 2022, the Allahabad High Court, in the case of Atul Mishra v. State of Uttar Pradesh and Three Others, stated that decisions made during adolescence due to mutual attraction may be impulsive and immature, but they should not be considered sinful or tainted solely on this basis.

Implementing the stringent provisions of the POCSO Act without adequate consideration of the circumstances could cause irreparable damage to the reputation and future of adolescents. It's natural for adolescents to develop attraction and emotional attachment. Not every relationship that develops during this stage is evidence of any ulterior motive. Often, adolescents come closer to each other out of understanding their emotions and attraction, while their ability to understand the responsibilities and long-term consequences of relationships is still developing. Therefore, when evaluating such relationships, it's important to consider the circumstances, mutual behavior, and the presence of pressure or exploitation, rather than solely based on age or the nature of the relationship.

In Indian society, the issue of adolescent love relationships goes beyond personal feelings and is linked to family beliefs, social prestige, and traditional values. On the one hand, there is the developing emotional independence and desire to choose relationships of one's own choice, while on the other, there are the expectations of the family and community, in which caste, sect, and marriage traditions play a significant role. In the event of conflict between these two, adolescent relationships sometimes become the cause of family disputes and social tensions. Often, family disagreement, rather than acceptance, leads to opposition, leading to legal conflict. In such a situation, the question becomes important: to what extent can the laws designed to protect children from sexual exploitation and abuse distinguish between actual crimes and disputes arising from family disagreements?Before understanding the emotions of adolescents in the language of crime, it is essential to understand their social and psychological realities. The objective of child protection is to protect children from any form of exploitation, but protecting their future and dignity in the process of justice is equally important.

An Important Initiative for Accurate History Writing

NCERT's new social science textbook is an important initiative to rewrite Indian history, giving space to neglected dynasties and cultural resistance. NCERT's new textbook is a comprehensive rewrite of Indian history. It focuses specifically on neglected Indian dynasties and cultural resistance. It offers a powerful challenge to the biased narratives of leftist historians. Recently, the National Council of Educational Research and Training (NCERT) released a new Class 9 social science textbook, "Understanding Society and Beyond, Part 2." This is an important initiative towards rereading and rewriting history. It moves beyond Delhi-centric history and gives space to India's historical traditions, neglected dynasties, and the stories of cultural resistance.

In the name of the so-called "Ganga-Jamuni culture," history textbooks have increasingly focused on the Delhi Sultanate's slave, Khilji, Tughlaq, Sayyid, and Lodi dynasties, and the Mughals, while empires like the Ahoms, Mewar, Marathas, and Vijayanagara have been limited to regional history.

Why have the Ahom Empire, which maintained independence for six centuries, Mewar, which fought for freedom, the Maratha power that played a role in the decline of the Mughal Empire, and the Vijayanagara Empire, which enriched art, literature, and architecture in South India, not received their due place in history? Why have the Chola, Chalukya, Pala, Pratihara, Rashtrakuta, and Kakatiya dynasties been neglected?

Indian history is not merely a narrative of foreign invasions and defeats. It is also a saga of struggle, resistance, sacrifice, and cultural pride that spanned a thousand years. How did India maintain its civilizational continuity in the face of the storm of Islamic invasions that transformed the political and cultural landscape of the ancient civilizations of West Asia? What currents of our strategic power, social structure, religious faith, and cultural resistance were at play?

Finding answers to these questions is the essential responsibility of history writing. How can it be inappropriate to give our pride, struggle, and pride a place in history? The new book's references to Maharana Pratap, the Battle of Dewair, the defeat of the Mughals under Lachit Barphukan at Saraighat, the Maratha Swaraj, and the sacrifices of the Sikh Gurus reinforce this view. The mention of the bravery of Rani Nayaki Devi, Rani Rudramma Devi, and Rani Abbakka demonstrates that our women also displayed indomitable courage against foreign invasions and colonial expansion.

As always, leftist historians object to the narratives and facts included in this new book, as they challenge their narrative. Ironically, while these leftist historians make a concerted effort to dismiss the Ramayana and Mahabharata as fiction, disregard the Puranas as history, and prove the Indian knowledge tradition obsolete, they also present literary references as historical evidence to suit their ideological convenience.

This same duplicity is evident in the mention of swords associated with Goddess Danteshwari, Goddess Bhavani, and other religious traditions. Leftists who dismiss traditions like those associated with the kings of Bastar, Kumar Kampana of Vijayanagara, and Chhatrapati Shivaji Maharaj as superstition forget that history is not merely a record of wars, treaties, and dynasties, but also a study of the beliefs and symbols that inspired society to struggle. It is the height of hypocrisy that, while in European tradition, the religious inspiration of Joan of Arc or the legends associated with King Arthur's sword Excalibur can be studied as cultural heritage, in Indian history, mention of the faith associated with Goddess Durga, Kali, and Bhavani becomes unscientific.

The new book highlights the reconstruction of temples along with their destruction. The contributions of Raja Todarmal, Raja Man Singh, and Devi Ahilyabai Holkar make it clear that the reconstruction of temples was not merely a revival of architecture, but also a reassertion of cultural identity and collective faith. Saints like Surdas, Tulsidas, Kabir, and Mirabai, and the movement.

ठाकुरद्वारा में कल लगेगा एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला, निजी क्षेत्र की 20 से 25 कंपनियां करेंगी प्रतिभाग

उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मुरादाबाद एवं कृष्णा महाविद्यालय, ठाकुरद्वारा के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 05 नवंबर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले का आयोजन कृष्णा महाविद्यालय, निकट होलिका मंदिर, ठाकुरद्वारा में किया जाएगा। सहायक निदेशक सेवायोजन ने बताया कि रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 20 से 25 नियोजक कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया जाएगा। इन कंपनियों के माध्यम से अभ्यर्थियों के लिए विभिन्न तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर साक्षात्कार लेकर चयन की कार्यवाही की जाएगी। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए पोर्टल rojgaarsangam.up.gov.in पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। अभ्यर्थी अपने साथ संपूर्ण बायोडाटा की दो प्रतियां हस्तलिखित अथवा टंकित, समस्त मूल शैक्षिक प्रमाण-पत्रों की दो सेट छायाप्रतियां तथा दो रंगीन फोटो लेकर निर्धारित समय पर उपस्थित हो सकते हैं।रोजगार मेले से संबंधित अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 8005383887 पर संपर्क किया जा सकता है अथवा किसी भी कार्यदिवस में क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, कांठ रोड, मुरादाबाद में संपर्क किया जा सकता है। रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।युवा उत्सव का आयोजन 05 नवंबर को, युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शन का मिलेगा अवसर जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद मुरादाबाद में जनपद स्तरीय एक दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 नवंबर 2026 को आरएसडी एकेडमी, रामगंगा विहार, मुरादाबाद में किया जाएगा।

जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव के अंतर्गत विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें लोकनृत्य (समूह), लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, पेंटिंग एवं कविता लेखन आदि विधाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले युवाओं की आयु 15 से 29 वर्ष के मध्य होना अनिवार्य है।

अस्पताल की बड़ी लापरवाही: दो नवजातों की कर दी अदला-बदली, नाजमा को सौंपा रेनू का बेटा, हंगामे पर सुधारी गलती

मुरादाबाद के करूला स्थित मेडविन अस्पताल में नवजातों की अदला-बदली का मामला सामने आया। एनआईसीयू से छुट्टी के समय स्टाफ नर्स ने रिकॉर्ड मिलाए बिना रामपुर की रेनू यादव को नाजमा की बेटी और नाजमा को रेनू का बेटा सौंप दिया। गलती उजागर होने पर हंगामा हुआ। मुरादाबाद के करूला क्षेत्र में स्थित मेडविन अस्पताल में जन्मे दो नवजातों की अदला-बदली का कारनामा सामने आया है। बेटी को जन्म देने वाली नाजमा के परिजनों को रेनू यादव का बेटा सौंप दिया। नाजमा की बेटी रेनू के हवाले कर दी। सोमवार शाम बेटे के स्थान पर बेटी देख रेनू के परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया।



अस्पताल के गलती स्वीकारने तक रेनू के नवजात बेटे के साथ नाजमा रामपुर पहुंच चुकी थीं। हल्ला बढ़ने से दबाव में आए अस्पताल प्रबंधन ने साथ रामपुर जाकर बच्चे और बच्ची को उनकी असल मां के आंचल के सुपुर्द कराया। साथ ही स्टाफ नर्स की गलती बताकर उसकी सेवा समाप्त करने की जानकारी दी।नवजातों की गंभीरता से देखरेख के लिए बने एनआईसीयू में हुई इस बड़ी लापरवाही से परदा हटा सोमवार की शाम, जब रामपुर के धमोरा निवासी प्रसूता रेनू यादव को अस्पताल से छुट्टी दी जा रही थी। जैसे ही एनआईसीयू से लाकर नवजात रेनू को सौंपा तो गोद में बेटी देख उन्होंने सवाल उठा दिया।उनके परिजनों ने हंगामा करते हुए कहा कि उन्हें बेटा पैदा होने की जानकारी दी गई थी। उन्होंने अस्पताल के रिकॉर्ड और कैमरों की फुटेज को अपनी बात के समर्थन में मजबूत प्रमाण बताया। पहले स्टाफ ने गलती स्वीकार नहीं की लेकिन विरोध बढ़ने पर अस्पताल में मौजूद नवजात के जन्म के रिकॉर्ड के मिलान से रेनू की आपत्ति सही साबित हुई।

साथ ही राज खुला कि रेनू का बेटा रामपुर जिले के ही बड़ा खास गांव की प्रसूता नाजमा के साथ चला गया, जिनकी छुट्टी रविवार देर रात दो बजे ही हो गई थी।

बताया गया कि दोनों बच्चों को जन्म थोड़े से ही अंतराल से हुआ था। अतिरिक्त केयर के लिए दोनों एनआईसीयू में भर्ती थे।

छुट्टी के समय स्टाफ नर्स ने रिकॉर्ड का मिलान किए बिना नाजमा द्वारा जन्मी बच्ची की जगह रेनू का बेटा सौंप दिया। इस परिवार ने उस वक्त नवजात की बारीकी से जांच नहीं की थी। सच सामने आते ही अस्पताल के स्टाफ से लेकर डॉक्टर और हॉस्पिटल संचालक तक के हाथ-पांव फूल गए।

रेनू के परिवार को उनका बेटा दिलाने का भरोसा देकर शांत किया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने उनके साथ रामपुर जिले का रुख किया और दूसरे परिवार को विश्वास में लेकर दोनों बच्चों को उनकी असली मां की गोद के हवाले किया गया।

रेनू के पहले से हैं दो बेटियां-

रेनू के ससुर उनमान सिंह ने बताया कि उनके बेटे यानी रेनू के पति राजेश मजदूरी करते हैं। परिवार में पहले से दो बेटियां हैं। गर्भवती बहू को 31 अक्तूबर को अस्पताल में भर्ती किया था। उसी शाम 7.53 बजे बेटे का जन्म हुआ था। तीसरे बच्चे के रूप में बेटे के जन्म की जानकारी से पूरा परिवार बहुत खुश था। सोमवार शाम सारी खुशियां काफूर हो गईं। अस्पताल की लापरवाही से बहू समेत परिवार का हर सदस्य अपना बच्चा मिलने तक तनाव में घिरा रहा।

उठा सवाल, फुट प्रिंट व फोटो तक की व्यवस्था फिर भी बदल गया बच्चा

अस्पताल में नवजात की पहचान तय करने के लिए मां की तस्वीर से लेकर बच्चे के जन्म का समय, लिंग, वजन और फुट प्रिंट तक दर्ज किए जाते हैं। इनसे पहचान के आधार पर ही नवजात मां या परिवार को दिया जाता है। सारी प्रक्रिया की कैमरों से निगरानी भी होती है। इस सबके बावजूद एनआईसीयू जैसे सघन निगरानी वाले स्थान से बच्चे कैसे बदल गए।

नाजमा बोलीं, जितनी तकलीफ उन्हें हुई, उतनी ही हमें भी

रामपुर के बड़ा खास निवासी नाजमा ने बताया कि उनके परिजनों ने अस्पताल से छुट्टी मिलने के दौरान बच्चे को ठीक से देखा नहीं। उसे लेकर सीधे घर चले गए। बाद में पता चला कि उन्हें जो बच्चा दिया गया था, वह उनका नहीं था। उन्होंने कहा कि जितनी तकलीफ रेनू के परिवार को हुई, उतनी ही उनके परिवार को भी हुई है। अस्पताल स्टाफ को ऐसे मामले में लापरवाही नहीं करनी चाहिए थी।संचालक बोले, स्टाफ नर्स की सेवाएं समाप्त कीं-अस्पताल संचालक डॉ. इकराम ने बताया कि रविवार को वह जरूरी काम से लखनऊ गए थे। उनकी नामौजूदगी में स्टाफ नर्स से यह गलती हुई। अस्पताल में दोनों बच्चों का पूरा रिकॉर्ड दर्ज है। रेनू के परिजनों के साथ रामपुर जाकर उनका बच्चा वापस दिलाया गया और नाजमा के परिजनों को उनकी बेटी सौंपी गई। संबंधित स्टाफ नर्स की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। रेनू के परिजनों ने लिखित में दिया है कि अब उन्हें कोई शिकायत नहीं है।

धनतेरस-दिवाली पर चमका वाहन बाजार, गाड़ियों पर 1 लाख रुपये तक का डिस्काउंट; बुकिंग की मची होड़

धनतेरस और दीपावली के त्योहारों ने मुरादाबाद के वाहन बाजार में रौनक ला दी है। कंपनियां नए मॉडल, आधुनिक तकनीक और आकर्षक ऑफर दे रही हैं।

धनतेरस-दीपावली से मुरादाबाद वाहन बाजार में रौनक। कंपनियां दे रहीं नए मॉडल, तकनीक और आकर्षक ऑफर।-ग्राहक सुरक्षा, माइलेज, स्मार्ट कनेक्टिविटी फीचर्स पर केंद्रित।धनतेरस और दीपावली की जगमगाहट वाहन बाजार में भी दिखाई दे रही है। कहीं नई कार की बुकिंग हो रही है तो कहीं परिवार के साथ पहुंचे लोग अपनी पसंदीदा गाड़ी के फीचर और कीमत की जानकारी ले रहे हैं।



त्योहार पर घर में नई गाड़ी लाने की चाहत रखने वालों के लिए कंपनियों ने भी अपनी पूरी तैयारी की है। महिंद्रा, मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, किआ, फाक्सवैगन और निसान जैसी कंपनियां नए माडल, आधुनिक तकनीक और आकर्षक आफर के साथ ग्राहकों को लुभा रही हैं।इस बार सिर्फ गाड़ी का रंग और कीमत ही चर्चा में नहीं, बल्कि उसके फीचर भी खरीदारी का बड़ा आधार बन रहे हैं। ग्राहक गाड़ी में एयरबैग, 360 डिग्री कैमरा, सनरूफ, बड़ी टचस्क्रीन, बेहतर माइलेज और स्मार्ट कनेक्टिविटी की जानकारी कर रहे हैं।युवाओं को स्पोर्टी लुक और आधुनिक तकनीक वाली एसयूवी पसंद आ रही हैं, जबकि परिवार के साथ सफर करने वाले लोग सात सीटों और आरामदायक केबिन को प्राथमिकता दे रहे हैं।

महिंद्रा शोरूम संचालक नमन जैन के अनुसार, कंपनी के चुनिंदा माडलों पर नकद छूट, एक्सचेंज और दूसरे लाभ मिलाकर करीब एक लाख रुपये तक के आफर दिए जा रहे हैं। मारुति शोरूम संचालक अमित गोयल के अनुसार, धनतेरस पर डिलीवरी के लिए लगातार बुकिंग हो रही है।

वाहन बाजार में ग्राहकों की जरूरत के हिसाब से विकल्प भी बदले हैं। शोरूम में पहुंच रहे लोग एक ही गाड़ी की कीमत पूछने के बजाय दूसरी कंपनियों के माडल से भी तुलना कर रहे हैं। महिंद्रा शोरूम पर रचित शर्मा ने बताया कि वाहन खरीदने से पहले सभी कुछ देखना रहता है।

माइलेज को प्राथमिकता के साथ सुरक्षा और आधुनिक सुविधाओं पर भी ध्यान दे रहे हैं। वहीं, त्योहार पर गाड़ी खरीदने के लिए नकद छूट के साथ एक्सचेंज बोनस और पुराने स्टाक पर मिलने वाले लाभ की भी जानकारी ली जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में रोडवेजकर्मियों को दिवाली-छठ का तोहफा, 4800 रुपये मिलेगी प्रोत्साहन राशि

रोडवेज ने दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए 12 दिवसीय प्रोत्साहन योजना शुरू की है। इसके तहत नियमित, संविदा चालक-परिचालकों और आउट सोर्सिंग कर्मचारियों को



3600 किमी बस संचालन पर 4800 रुपये तक का प्रोत्साहन मिलेगा।दीपावली और छठ पर्व पर 12 दिवसीय प्रोत्साहन योजना। चालक-परिचालकों को 3600 किमी पर 4800 रुपये। तकनीकी कर्मचारियों को 12 दिन काम पर 2500 रुपये।दीपावली और छठ पर्व पर यात्रियों की सुविधा के लिए रोडवेज ने 12 दिवसीय प्रोत्साहन योजना लागू की है। छह से 17 नवंबर तक नियमित और संविदा चालक-परिचालकों के साथ आउटसोर्सिंग परिचालकों को भी प्रोत्साहन राशि मिलेगी। 12 दिन में 3600 किलोमीटर बस संचालन करने पर 4800 रुपये और 11 दिन में 3300 किलोमीटर संचालन पर 4400 रुपये दिए जाएंगे। मानक से अधिक किलोमीटर संचालन पर संविदा और आउटसोर्सिंग चालक-परिचालकों को 55 पैसे प्रति किलोमीटर अतिरिक्त मिलेंगे। तकनीकी और अन्य चिन्हित कर्मचारियों को 12 दिन काम करने पर 2500 और 11 दिन पर 2100 रुपये मिलेंगे। संचालन संबंधी समस्या पर क्षेत्रीय कंट्रोल रूम 8726005894 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्मार्टफोन बना रहा आक्रामक? 8 साल के बच्चे की हरकत ने उड़ाए होश, साइकोलॉजिस्ट ने दी चेतावनी

बच्चों में बढ़ती आक्रामकता और हिंसक प्रवृत्ति चिंता का विषय बन गई है, जिसमें मोबाइल गेम, इंटरनेट सामग्री और पारिवारिक माहौल की अहम भूमिका है।विशेषज्ञों ने जताई चिंता, कहा परिवार के माहौल का असर व्यवहार पर आभाषी दुनिया में जी रहे बच्चे, गेम की लाइफलाइन को मान रहे असलबच्चों में छोटी उम्र से ही आक्रामक व्यवहार और हिंसक प्रवृत्ति के मामले चिंता बढ़ा रहे हैं। हाल ही में चंडीगढ़ के पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में आठ साल के बच्चे की ओर से तीन साल की बच्ची के साथ की गई। विद्यालय में हुई इस हिंसा ने बच्चों के व्यवहार और उनकी मानसिकता को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। मामले ने विशेषज्ञों में भी चिंता बढ़ा दी है कि आखिर इतनी कम उम्र में बच्चों के मन में हिंसा का भाव कैसे पनप रहा है। उनका मानना है कि मोबाइल गेम, इंटरनेट पर दिखने वाला हिंसक कंटेंट या घर का माहौल जिम्मेदार है।मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, बच्चों का व्यवहार उनके आसपास के वातावरण, अनुभवों और परवरिश से काफी प्रभावित होता है। बढ़ते मोबाइल के प्रयोग और स्क्रीन का असर बच्चों का व्यवहार बदल रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती पहुंच ने भी बच्चों के सामने हिंसक दृश्य और कंटेंट की उपलब्धता बढ़ा दी है। विशेषज्ञों के अनुसार, बच्चों को डांटने या सजा देने के बजाय उनसे संवाद करना, उनकी भावनाओं को समझना और जरूरत पड़ने पर मनोवैज्ञानिक परामर्श दिलाना जरूरी है।स्कूल और परिवार दोनों की जिम्मेदारी है कि बच्चों में आक्रामकता के शुरुआती संकेतों को पहचानकर समय रहते मदद उपलब्ध कराएं। बच्चों में गुस्सा आना या कभी-कभार दूसरे बच्चों से झगड़ना सामान्य व्यवहार हो सकता है। मगर, बार-बार मारपीट करना, दूसरों को चोट पहुंचाना, छोटी-छोटी बातों पर हिंसक प्रतिक्रिया देना और दूसरे के दर्द को नजरअंदाज करना चिंता का विषय हो सकता है। बच्चे को गेम लग रही असल जिंदगी- विशेषज्ञों का कहना है कि काउंसलिंग के दौरान कई ऐसे मामले सामने आये हैं। जहां बच्चे गेम में मिलने वाली लाइफलाइन को असल जिंदगी समझ रहे हैं।बच्चे गेम में जिस तरह लाइफलाइन मिलती है, उसे सच मानकर अपने आस-पास सहपाठी और परिवार के साथ बर्ताव करने लगते हैं। उनका कहना है कि ऐसे बच्चे आभाषी जीवन को सच मान रहे हैं। विशेषज्ञों की बात- हमारे यहां भी शहर में इस तरह के मामले देखने को मिल घर का माहौल खराब होने के कारण या गेम और मोबाइल के अधिक के प्रयोग के कारण असल जिंदगी को नहीं समझ पा रहे हैं। ऐसे में वो जिंदगी को गेम समझकर अक्रामक होने पर यह समझते है कि मारने पर सामने वाले के पास लाइफ लाइन है। वहीं परिवार में होने वाली हिंसा और दुर्व्यवहार का असर भी उनमें दिख रहा है।

चांदी की कीमतों में बंपर गिरावट- ?1.06 लाख सस्ती हुई चांदी, दिवाली पर चांदी के लक्ष्मी-गणेश और सिक्कों की भारी मांग!

चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जो फरवरी के उच्चतम स्तर से ?1.06 लाख प्रति किलो सस्ती हुई है। इस गिरावट से ग्राहकों को राहत मिली है और दीपावली पर चांदी के सिक्के व लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की मांग बढ़ी है। दीपावली पर इस बार चांदी के शगुन वाले उपहारों की खरीदारी को लेकर सराफा बाजार में उत्साह है। पिछले कुछ महीनों में चांदी के भाव में आए उतार-चढ़ाव के बाद अब कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चार फरवरी 2026 को चांदी का भाव 2,95,000 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया था। वहीं, दो नवंबर 2026 को भाव घटकर 1,88,900 रुपये प्रति किलो रह गया। यानी उच्चतम स्तर से चांदी 1,06,100 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है। कीमतों में आइ इस नरमी से ग्राहकों को राहत मिली है और दीपावली पर खरीदारी की उम्मीद बढ़ी है।पिछले एक साल के भाव पर नजर डालें तो चांदी ने लंबा उतार-चढ़ाव देखा है। दो नवंबर 2025 को एक किलो चांदी का भाव 1,53,300 रुपये था। 15 नवंबर को यह बढ़कर 1,90,000 रुपये और 14 दिसंबर को 2,38,000 रुपये पहुंच गया।छह जनवरी 2026 को भाव 2,48,500 रुपये और चार फरवरी को 2,95,000 रुपये प्रति किलो हो गया। इसके बाद जून में कीमत घटकर 2,58,500 रुपये रही। अब दो नवंबर को भाव 1,88,900 रुपये प्रति किलो है। इस तरह फरवरी के उच्चतम भाव से अब तक 1,06,100 रुपये की गिरावट आई है। चांदी कारोबारी संजय कट्टा और सर्राफ फूल कुमार के अनुसार, भाव में गिरावट से ग्राहकों का रुझान बढ़ा है। दीपावली पर शगुन के तौर पर चांदी के सिक्के खरीदने की परंपरा है। इस बार भी एक, पांच और दस ग्राम के सिक्कों के साथ लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, छोटी कटोरियां और पूजा में इस्तेमाल होने वाले उत्पाद पसंद किए जा रहे हैं।सर्राफा कारोबारी अभिनव बंसल के अनुसार, ग्राहक अपने बजट के अनुसार कम वजन वाले उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। डाई कास्टिंग से तैयार आकर्षक डिजाइन वाले उत्पाद भी पसंद किए जा रहे हैं। इनकी खासियत कम वजन में बेहतर बनावट और डिजाइन है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

मुरादाबाद भारतीय किसान यूनियन प्रकाश की बैठक आयोजित

जिला अध्यक्ष मोहम्मद अली बोले- किसानों और मजलूमों की आवाज उठाने के लिए हमेशा रहेंगे तैयार

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद (सिकंदर राजा) भारतीय किसान यूनियन प्रकाश के जिला कार्यालय पर संगठन की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसान यूनियन से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान संगठन की मजबूती और आम जनता, किसानों तथा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष मोहम्मद अली ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अन्याय होता है तो भारतीय किसान यूनियन प्रकाश उसकी आवाज उठाने के लिए हर वक्त तैयार है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य जरूरतमंद और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष करना है। वीओ-1= आपको बता दें कि मुरादाबाद के ट्रांसपोर्ट नगर स्थित आरटीओ कार्यालय के पास भारतीय किसान यूनियन प्रकाश का जिला कार्यालय है। यहां आयोजित बैठक में संगठन के तमाम पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान जिला अध्यक्ष मोहम्मद अली ने संगठन के सदस्यों से एकजुट होकर किसानों, मजदूरों और आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने की अपील की। वीओ-2= इस दौरान जिला अध्यक्ष मोहम्मद अली ने कहा कि भारतीय किसान यूनियन प्रकाश हमेशा से हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। यदि किसी किसान, मजदूर या आम नागरिक के साथ अन्याय होता है अथवा उसे किसी तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है तो संगठन उसकी आवाज उठाएगा। उन्होंने मुरादाबाद की जनता से अपील की कि किसी भी समस्या या शिकायत के लिए संगठन के जिला कार्यालय पर संपर्क कर सकते हैं। बाइट= मोहम्मद अली, जिला अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन प्रकाश वीओ-3= जिला अध्यक्ष मोहम्मद अली ने आगे कहा कि वह अपने संगठन के प्रति पूरी तरह वफादार हैं और आगे भी ईमानदारी के साथ लोगों के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि मजलूमों और जरूरतमंदों की आवाज बनना ही उनकी प्राथमिकता है। आउट्रो= फिलहाल भारतीय किसान यूनियन प्रकाश की इस बैठक के माध्यम से संगठन ने किसानों, मजदूरों और आम जनता की समस्याओं को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। अब देखना होगा कि संगठन आने वाले दिनों में जनसमस्याओं के समाधान के लिए किस तरह से अपनी भूमिका निभाता है।

कागजों पर नहीं, जमीन पर होगा जीरो टॉलरेंस: कलेक्ट्रेट में लोकायुक्त ने ठोकी भ्रष्टाचार पर ताल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली- (ब्यूरो)सतर्कता जागरूकता सप्ताह- के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट में लोकायुक्त प्रशासन की ओर से एक अस्थायी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता संयुक्त सचिव राजेश कुमार और समीक्षा अधिकारी अश्विनी पाठक ने की। इस दौरान संयुक्त सचिव राजेश कुमार ने दो टूक कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति केवल नारा बनकर नहीं रह सकती। इसे जमीन पर उतारने के लिए प्रशासन के साथ-साथ आम जनता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। 1975 से कार्यरत लोकायुक्त संस्था लोक सेवकों के कदाचार और पद के दुरुपयोग की जांच कर पारदर्शिता सुनिश्चित कर रही है।

शिविर में नागरिकों को लोकायुक्त के अधिकारों और शिकायत दर्ज कराने की आसान प्रक्रिया समझाई गई।

पदयात्रा के मंच पर बोले जयंत चौधरी- किसानों की चिंता नहीं, सिर्फ राजनीति कर रहा विपक्ष

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली- (ब्यूरो) । राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने विपक्षी दलों पर किसानों के मुद्दों को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के नेताओं को किसानों की समस्याओं और उनकी जरूरतों की जानकारी तक नहीं है। विपक्ष ने कभी किसानों के बीच जाकर उनकी समस्याएं उठाने का काम नहीं किया। आज विपक्ष इथेनॉल का विरोध कर रहा है, लेकिन गन्ना किसानों को लाभकारी मूल्य दिलाने की बात नहीं करता। जयंत चौधरी ने कहा कि जब वह विपक्ष में थे, तब प्रदेश सरकार ने गन्ने का मूल्य घोषित किया था। वह उसी दिन तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मिले और उन्हें इसकी जानकारी दी। उन्हें गन्ने के मूल्य निर्धारण की जानकारी तक नहीं थी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी है कि वे किसानों के हितों पर नजर रखें और उनके मुद्दों को उठाएं।

शाहरुख मंसूरी बने सपा युवजन सभा के जिला सचिव

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कोंच(जालौन)(नीरज कुमार) समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की संस्तुति पर समाजवादी युवजन सभा जिला अध्यक्ष सिद्धार्थ सिंह यादव एडवोकेट ने कोंच गाँधी नगर निवासी शाहरुख मंसूरी को अपनी जिला कार्यकारिणी में सचिव पद पर मनोनीत किया है।इस मोके पर समर्थकों मे खुशी की लहर है रोहित कुशवाहा अरबाज मंसूरी, आजम मंसूरी, अरबाज मंसूरी, सोहेल मंसूरी, अमनजीत अग्रवाल, आशीष अहिरवार, राजकुमार अहिरवार, बाबू मंसूरी, अजय कुमार, बॉबी वर्मा, आदि ने बधाई दी है शाहरुख मंसूरी ने कहा की जो जिम्मेदारी मुझे मिली है पूरी निष्ठा ईमानदारी के साथ युबाओं को समाजवादी मे जोड़कर मा अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाएं

पीके माहेश्वरी बने यूपी बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के उप महामंत्री

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली- (ब्यूरो) । उत्तर प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज यूनियन के 45वें सम्मेलन में बरेली के पीके माहेश्वरी को संगठन का उप महामंत्री चुना गया है। आगरा में आयोजित सम्मेलन के दौरान नई कार्यकारिणी का चुनाव किया गया, जिसमें प्रदेशभर के बैंककर्मियों ने पदाधिकारियों का चयन किया। नई कार्यकारिणी में एमएम राय को अध्यक्ष, राजीव गुप्ता को महामंत्री, पीके माहेश्वरी को उप महामंत्री, अंकित गर्ग को संगठन सचिव और एसके संगतानी को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। पीके माहेश्वरी के उप महामंत्री चुने जाने पर बरेली के बैंककर्मियों और अधिकारियों ने खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी।बरेली ट्रेड यूनियंस फेडरेशन के महामंत्री संजीव मेहरोत्रा ने बताया कि पहली बार बरेली के किसी नेता को उत्तर प्रदेश बैंक एम्प्लॉइज यूनियन में उप महामंत्री जैसा महत्वपूर्ण पद मिला है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कानून-व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु - 6 पुलिस अधिकारियों के किए तबादले

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली- (ब्यूरो) । कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। प्रशासनिक समायोजन और रिक्तियों के दृष्टिगत जनपद के कई थानों और शाखाओं के 6 निरीक्षकों व उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में तत्काल प्रभाव से बदलाव किया गया है।

मीरगंज के प्रभारी निरीक्षक रहे रवि कुमार को अब थाना सीबीगंज की कमान सौंपी गई है।

रिजर्व पुलिस लाइन्स में तैनात निरीक्षक अजय प्रताप सिंह को थाना मीरगंज में निरीक्षक अपराध पद पर नियुक्त किया गया है।

थाना मीरगंज के निरीक्षक अपराध - वरुण कुमार को अब थाना सीबीगंज का अपराध निरीक्षक बनाया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय में प्रभारी सीटी सैल/पीआरओ की जिम्मेदारी संभाल रहे निरीक्षक मनोज कुमार को प्रभारी निरीक्षक थाना शेरगढ़ बनाया गया है।

उधर थाना फरीदपुर में तैनात उपनिरीक्षक उमेश कुमार राय को थाना विशारतगंज का नया थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है।

थाना विशारतगंज के निरीक्षक अपराध प्रमोद कुमार को कार्यालय क्षेत्राधिकारी (ष्ट्रह) हाईवे से संबद्ध किया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य के इस कदम का मुख्य उद्देश्य जिले में शांति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना तथा प्रशासनिक कार्यप्रणाली को चुस्त-दुरुस्त रखना है। सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल अपने नवीन तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

मेले में किशोरी से छेड़खानी का आरोप, विरोध पर पिता को पीटा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली- (ब्यूरो) । भोजीपुरा थाना क्षेत्र में रामलीला मेला देखने गई किशोरी के साथ छेड़खानी के आरोप के बाद विवाद हो गया। किशोरी के परिजनों ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसके पिता के साथ मारपीट कर दी। घटना के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर लात-घूंसे और थप्पड़ चले। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, भोजीपुरा क्षेत्र के एक गांव की 14 वर्षीय किशोरी शनिवार शाम रामलीला मेला देखने गई थी। आरोप है कि वहां तीन युवकों ने उसके साथ छेड़खानी की। किशोरी ने घर पहुंचकर परिजनों को इसकी जानकारी दी। इस पर उसके पिता आरोपियों के घर शिकायत करने पहुंचे। वहां आरोपियों ने उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर मारपीट की। बीच-बचाव के दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले- 2027 में सपा की साइकिल पंचर कर सैफई भेजने का काम करें

बरेली- (ब्यूरो) । भाजपा की ओर से मंगलवार को आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा में पार्टी के दिग्गज नेताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर निशाना साधते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव में हर बूथ पर कमल खिलाने का आह्वान किया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 2027 में कांग्रेस का कोई अता-पता नहीं है, लेकिन कांग्रेस की बैसाखी बनी सपा की साइकिल को पंचर करके सैफई भेजने का काम करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गुंडागर्दी और माफियाराज को दोबारा नहीं लौटने देना है। उन्होंने विपक्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का तख्तापलट करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कार्यकर्ताओं से सवाल किया कि क्या वे ऐसा होने देंगे? इस पर कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में जवाब दिया-नहीं। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश की जनता कांग्रेस और सपा का ही तख्तापलट कर देगी।

IGRS रैंकिंग में चमका बरेली परिक्षेत्र: पूरे यूपी में लहराया नंबर-1 का परचम, 64 थानों ने भी रचा इतिहास!



बरेली- (ब्यूरो) । आईजीआरएस (जनसुनवाई समाधान प्रणाली) पर जन शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने पूरे उत्तर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। अक्टूबर-2026 की मासिक रैंकिंग में डीआईजी डॉ. अजय कुमार साहनी के कुशल निर्देशन में रेंज ने यह ऐतिहासिक सफलता दर्ज की। बरेली परिक्षेत्र के साथ जनपद बदायूँ ने भी प्रदेश स्तर पर पहला स्थान हासिल किया। 64 थाने बने नंबर-1= परिक्षेत्र के 64 थानों ने संयुक्त रूप से प्रदेश में शीर्ष स्थान पाया ?बरेली= 25 थाने (कोतवाली, कैंट, प्रेमनगर, इज्जतनगर, बारादरी, महिला थाना सहित)। बदायूँ= 15 थाने (महिला थाना, बिसौली, सहसवान, बिल्सी, उसावां आदि)। पीलीभीत= 12 थाने (पूरनपुर, सुनगढ़ी, जहानाबाद, बिलसंडा आदि)। शाहजहाँपुर= 12 थाने (सदर बाजार, कोतवाली, तिलहर, कटरा आदि)। सम्मान= उत्कृष्ट कार्य के लिए रेंज कार्यालय के आईजीआरएस कर्मी उपनिरीक्षक शालू, कंप्यूटर ऑपरेटर अमरेंद्र कुमार और आरक्षी सलिल सक्सेना को नकद पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।?समीक्षा व कार्रवाई= जिन थानों का प्रदर्शन असंतोषजनक रहा है, उनकी समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

नशे के सौदागरों पर सुभाषनगर पुलिस का प्रहार,743 ग्राम अफीम के साथ बदायूं का तस्कर गिरफ्तार

बरेली- (ब्यूरो) । थाना सुभाषनगर पुलिस ने मुखबिर की



सूचना पर ग्राम फत्तेपुर मार्ग से 743 ग्राम अवैध अफीम के साथ एक तस्कर को दबोचा है। गिरफ्तार अभियुक्त मौहम्मद उमर निवासी वजीरगंज (बदायूं) ने पूछताछ में कबूला कि वह राहगीरों को अफीम बेचने आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। ?कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन, उप-निरीक्षक रविन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल अवनीश कुमार, हेड कांस्टेबल शगुन शर्मा और कांस्टेबल आकाश राणा शामिल रहे।

अधिवक्ता हत्याकांड: सात साल पहले खरीदी जमीन पर था विवाद; 31 अक्तूबर को पहले बेटे की मौत; उसी तारीख में हत्या





जालौन के अधिवक्ता हत्याकांड में नई जानकारी सामने आई है। अधिवक्ता की हत्या विवादित जमीन को लेकर हुई। दरअसल, हांसा मौजा में करीब सात साल पहले प्रॉपर्टी डीलर इंद्रजीत यादव ने कालपी के रामगंज निवासी अपर्णा सिंह पत्नी उदय प्रताप सिंह से लगभग छह हेक्टेयर जमीन खरीदी थी। इस जमीन पर गयादीन अहिरवार भी अपना दावा कर रहे थे। जमीन को लेकर चकबंदी न्यायालय और सिविल कोर्ट में मुकदमे चल रहे थेवरिष्ठ अधिवक्ता गयादीन का सुपारी किलर कानपुर के वरुण विहार बस्ती निवासी मोनू यादव उर्फ पवन पेशवर अपराधी है। वह तीन साल पहले मामूली विवाद में एक युवक की ईंट से कूंचकर हत्या के मामले में जेल भेजा जा चुका है।

वह बड़ा गांजा तस्कर भी है। हरियाणा, छत्तीसगढ़, यूपी के मथुरा में उसके खिलाफ गांजा तस्करी के कई मुकदमे हैं। हत्या के मामले में जेल से छूटकर आने के बाद उड़ीसा से गांजा तस्करी करने गया था जहां छत्तीसगढ़ के रायपुर के तेलीबांधा थाना पुलिस ने उसे 15 किग्रा गांजे के साथ दबोच लिया। वह दो माह पहले ही जेल से छूटकर बस्ती में रहने आया था। मूलरूप से गुजरात का रहने वाला है। यहां बस्ती में पत्नी राधिका के साथ रहता है।फरारी काटने में माहिर- पुलिस सूत्रों के अनुसार मोनू फरारी काटने में माहिर है। वह मोबाइल भी नहीं रखता है। अगर किसी से बात करनी होती है तो परिचितों के मोबाइल का प्रयोग करता। जिस मोबाइल के सिम से अधिवक्ता गयादीन से बात की वह उसके पिता के नाम पर दर्ज है। मोबाइल भी स्विच ऑफ है।सर्वेश के पिता होमगार्ड, आशीष चलाता था दुकान- मुठभेड़ में गिरफ्तार बर्रा विश्वबैंक एच ब्लॉक निवासी सर्वेश शुक्ला उर्फ सब्बू के पिता होमगार्ड हैं। परिवार में मां, दो बहनें और एक बड़ा भाई है। सर्वेश गाड़ी चलाता है। हालांकि, तीन माह पहले इसने दूसरे आरोपी गुजैनी के पिपौरी न्यू डायमंड सिटी निवासी आशीष विश्वकर्मा के साथ मिलकर जरौली फेज टू पुलिस चौकी के पास मोबाइल रिपेयरिंग की दुकान खोली।सर्वेश पर 2023-24 में मारपीट के दो मुकदमे दर्ज हैं। आशीष पर भी मारपीट का एक मुकदमा है। वरुण विहार निवासी केशव कटियार का आपराधिक इतिहास नहीं मिला। पता चला कि यह कार-बाइक धुलाई का काम करता था।हनक बनाने के लिए थामा मोनू का हाथ- इलाकाई लोगों के मुताबिक आशीष विश्वकर्मा इलाके में हनक जमाने के लिए अपराधियों के साथ उठने बैठने लगा था। यही हाल केशव कटियार का रहा। इसी दौरान हत्या के बाद जेल से छूट कर आए मोनू से दोनों ने यारी बढ़ाई। इधर जब मोनू ने हत्या की सुपारी ली तो सभी को दो-दो लाख रुपये देने का आश्वासन दिया था।सात साल पहले खरीदी थी विवादित जमीनसीओ राजेश कमल के अनुसार, हांसा मौजा में करीब सात साल पहले इंद्रजीत यादव ने कालपी के रामगंज निवासी अपर्णा सिंह पत्नी उदय प्रताप सिंह से लगभग छह हेक्टेयर जमीन खरीदी थी। इस जमीन पर गयादीन अहिरवार भी अपना दावा कर रहे थे। जमीन को लेकर चकबंदी न्यायालय और सिविल कोर्ट में मुकदमे चल रहे थे।

जमीन का कब्जा इंद्रजीत यादव के पक्ष में होने के बावजूद दोनों के बीच विवाद खत्म नहीं हुआ था। इसी रंजिश में हत्या की साजिश रची गई। पुलिस के मुताबिक, गयादीन ने इंद्रजीत के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत भी मुकदमे की पैरवी की थी। शनिवार को वह इसी मामले में उरई न्यायालय में बहस के बाद लौट रहे थे। पुलिस इस मुकदमे को भी हत्या की वजह से जोड़कर जांच कर रही है।28 अक्तूबर को ही बिछा दी गई थी अपहरण की बिसात- गयादीन के करीबियों के अनुसार, 28 अक्तूबर को दो लोग उनके बस्ते पर पहुंचे थे। उन्होंने जमीन विवाद के मामले में मोनू यादव के खिलाफ रामपुरा थाने में मामला दर्ज होने की बात कही और पैरवी करने का प्रस्ताव दिया और मेहनताना के तौर पर एक हजार रुपये भी दिए थे। साथ ही फाइल देखने की बात कही थी। इसके बाद शनिवार को उसी फाइल पर चर्चा करने के बहाने उन्हें हाईवे पर बुलाया गया। आरोपियों ने चाय पीने के बहाने उन्हें कार में बैठाया और अपहरण कर लिया। पुलिस इस घटनाक्रम को सुनियोजित साजिश मानकर जांच कर रही है।31 अक्तूबर को पहले बेटा खोया, अब उजड़ गई मांग-कुछ तारीखें जिंदगी में ऐसी चोट दे जाती हैं, जिनका दर्द कभी कम नहीं होता। गयादीन अहिरवार के परिवार के लिए 31 अक्तूबर ऐसी ही तारीख बन गई है। इसी तारीख को परिवार ने पहले बेटे गौरव मित्रा को खोया था। 31 अक्तूबर को ही अधिवक्ता गयादीन अहिरवार का अपहरण कर उनकी हत्या कर दी गई।बेटे गौरव की मौत के बाद उसी तारीख को पिता की भी अपहरण के बाद हत्या- दरअसल गौरव में पत्नी प्रीति के मायके से नहीं आ रही थी। 31 अक्तूबर 2025 को गौरव ने जहर खाकर जान दे दी थी। बेटे की मौत के बाद बहू प्रीति का सुहाग उजड़ा था और अब गयादीन की हत्या से पत्नी राजेश्वरी देवी का संसार उजड़ गयापत्नी राजेश्वरी देवी और बहू प्रीति के जीवन में छाया अंधेरा-गयादीन अहिरवार कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। परिवार के लिए वह सिर्फ एक अधिवक्ता या बार संघ के अध्यक्ष नहीं, बल्कि हर मुश्किल में साथ खड़े रहने वाले मजबूत सहारे थे। 31 अक्तूबर को उनके अचानक लापता होने की खबर से परिवार की बेचैनी बढ़ गई थी।परिजनों को उम्मीद थी कि वह सकुशल लौट आएंगे, लेकिन अगले दिन उनकी हत्या की खबर ने परिवार को तोड़कर रख दिया। पति की मौत के बाद राजेश्वरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस घर में पहले बेटे की मौत का गम था, वहां अब पति की हत्या का असहनीय दुख भी जुड़ गया है।कालपी बार एसोसिएशन अध्यक्ष हत्याकांड में खुलासा- जालौन के कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गयादीन अहिरवार की हत्या के मामले में पुलिस ने नया खुलासा किया है। 32 बीघा (छह हेक्टेयर) जमीन के विवाद में मैनपुरी और हाल कानपुर निवासी ठेकेदार इंद्रजीत यादव ने अधिवक्ता की हत्या कराने के लिए कानपुर के वरुण विहार बस्ती निवासी निवासी मोनू यादव को 10 लाख रुपये की सुपारी दी थी। पुलिस मोनू की तलाश कर रही है उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।मोनू ने तीन शूटर सर्वेश शुक्ला, आशीष विश्वकर्मा और केशव कटियार (तीनों कानपुर के) के माध्यम से 31 अक्तूबर को गयादीन का अपहरण कराया और फिर गुजैनी में हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने तीनों शूटरों के साथ सुपारी देने के आरोपी इंद्रजीत यादव को गिरफ्तार कर लिया है।एसपी सुरेश चंद रावत ने बताया कि मोनू के पिता अजय के मोबाइल से इंद्रजीत और मोनू के बीच घटना से पहले और बाद के व्हाट्सएप चैट मिले हैं। इन्हीं के आधार पर हत्या की साजिश और सुपारी दिए जाने की बात सामने आई है। आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट सहित एनएसए की भी कार्रवाई की जाएगी। वहीं साजिश में सहयोग करने पर मोनू के पिता अजय को भी गिरफ्तार किया जाएगा।कालपी बार एसो. अध्यक्ष को अगवा कर मार डाला, कानपुर में मिला शव

उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गयादीन अहिरवार (68) की शनिवार को जमीन के विवाद में कार से अपहरण के बाद हत्या कर दी गई। शक के दायरे में आए तीन आरोपियों की निशानदेही पर रविवार सुबह कानपुर में गुजैनी नहर से शव को बरामद किया।रविवार देर रात कार की बरामदगी के लिए कालपी के जंगल ले जाए गए आरोपी भागने लगे और वहां पहले से छिपाए असलहों से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैर में गोली लगने से आशीष विश्वकर्मा और सर्वेश शुक्ला घायल हो गए। पुलिस ने उनके तीसरे साथी केशव को भी पकड़ लिया। तीनों कानपुर के रहने वाले हैं। मुख्य आरोपी मोनू की पुलिस तलाश कर रही है।कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कागजीपुरा निवासी गयादीन अहिरवार चौथी बार कालपी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए थे। शनिवार को गयादीन उरई स्थित जिला न्यायालय में एक मुकदमे की पैरवी करने गए थे। शाम 3:30 बजे वह मुन्ना फुलपावर चौराहा पहुंचे और बेटे हर्ष को स्कूटी लेकर बुलाया। उन्होंने बेटे से कहा कि दुर्गा मंदिर चौराहे पर उनका एक मुवक्किल इंतजार कर रहा है। बेटा उन्हें स्कूटी से वहां ले गया। चौराहे पर कार में तीन लोग मौजूद थे।बेटे के मुताबिक, कार से उतरे एक व्यक्ति ने गयादीन के पैर छुए और उन्हें कार में बैठाकर ले गया। बिना नंबर की कार देख बेटे को शक हुआ और उसने पिता को फोन किया लेकिन मोबाइल बंद मिला। उसने स्कूटी से कार का पीछा भी किया लेकिन पता नहीं चला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कर तीनों आरोपियों की निशानदेही पर रविवार सुबह कानपुर से शव बरामद किया।

संक्षिप्त समाचार

त्योहारों पर बढ़ी नगर के बाजार में भीड़, पुलिस गश्त बढ़ाई

बिलारी । नगर के बाजार में त्योहारों को लेकर भीड़ बढ़ रही है इसको लेकर पुलिस भी सुरक्षा के लिए सक्रिय है महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों के अलावा सादे कपड़ों में भी पुलिस जन लगाए गए हैं। नगर के ऐतिहासिक झंडा चौक से मुख्य बाजार शुरू होता है जो रैली चौक, नेहरू चौक, पुराना ओबीसी रोड, सराफा बाजार, गांधी आश्रम से कोतवाली के पीछे तक है। इसके अलावा पैंठ बाजार के चारों ओर भी बाजार में काफी भीड़भाड़ रहती है। प्रभारी निरीक्षक उदय प्रताप सिंह ने बताया बाजार में पुलिस की सक्रियता केवल त्योहारों तक सीमित नहीं बल्कि दिन और रात निरंतर रहती है इतना जरूर है कि त्योहारों पर गश्त बढ़ा दी जाती है। उन्होंने बताया कि सर्राफा बाजार में रात्रि में भी चौकसी रखी जाती है। उन्होंने दुकानदारों से अपने सीसीटीवी दुरुस्त रखने रात्रि चौकीदारों को भी सक्रिय रखने का आह्वान किया है।

रुद्र महायज्ञ एवं रासलीला में शामिल हुए भाजपा नेता नरेश यादव

बिलारी । विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रामपुर पट्टी गुर्जर स्थित पावन ब्रह्मदेव आश्रम में आयोजित तृतीय पंचकुंडीय श्री रुद्र महायज्ञ एवं भव्य रासलीला में वरिष्ठ भाजपा नेता नरेश यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भगवान भोलेनाथ के चरणों में श्रद्धा अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर नरेश यादव ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन हमारी समृद्ध सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की गौरवशाली परंपराओं को संरक्षित और संवर्धित करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने आयोजन से जुड़े संत-महात्माओं, आयोजकों और श्रद्धालुओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। साथ ही ईश्वर से सभी के सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।



भाकियू मुलायम के तहसील उपाध्यक्ष बने गुड्डू कुरैशी

बिलारी । भारतीय किसान यूनियन मुलायम के संगठन विस्तार करते हुए निवासी गुड्डू तहसील बनाया गया के राष्ट्रीय सिंह उर्फ यादव एवं अध्यक्षा गालिब दी गई इस जिम्मेदारी से कार्यकर्ताओं में हर्ष है। उन्होंने कहा, मेरी पहली प्राथमिकता तहसील क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाना और उनका समयबद्ध समाधान कराना होगी। किसानों के अधिकार की लड़ाई के लिए संगठन हमेशा तत्पर रहेगा।



कुरैशी को उपाध्यक्ष है। संगठन अध्यक्ष नेम राजेश पदेश मिर्जा आजाद द्वारा इस

सिख छात्र को तीन युवकों ने बेरहमी से पीटा, वीडियो वायरल; आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज

शाहजहांपुर में कोचिंग से लौट रहे एक छात्र को तीन युवकों ने बेरहमी से पीटा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।शाहजहांपुर के चौक कोतवाली इलाके में गर्रा नदी के पुल पर एक छात्र के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। तीन युवकों ने छात्र को बुरी तरह से पीटा गया है। मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जानकारी के मुताबिक, सोमवार की शाम राजघाट चौकी से कुछ दूरी पर मोक्ष धाम के समाने छात्र के साथ मारपीट की गई। छात्र कोचिंग से लौट रहा था। इसी बीच उसके साथ पुरानी रंजिश के चलते मारपीट की गई है।मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया। छात्र के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सीओ सिटी देवव्रत बाजपेयी ने बताया कि मामले की विवेचना शुरू कर दी गई है।



ऊर्जा संरक्षण के लिए विद्यालय में मनाया गया पॉवर सेविंग आवर, एक घंटे बंद रखे विद्युत उपकरण

विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने ऊर्जा बचाने का लिया संकल्प

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बिलारी । पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज नगालिया जट में मंगलवार को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग और बिजली बचाने के महत्व की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण एक घंटे का पॉवर सेविंग आवर रहा। इसके तहत विद्यालय परिसर में पंखे, लाइट, कंप्यूटर सहित सभी विद्युत उपकरणों को एक घंटे के लिए बंद रखा गया। इस पहल के माध्यम से संदेश दिया गया कि दैनिक जीवन में छोटी-छोटी सावधानियां अपनाकर ऊर्जा की बड़ी बचत की जा सकती है।कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य रघुपति देव ने कहा कि वर्तमान समय में ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है। जीवाश्म ईंधन के सीमित भंडार और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को देखते हुए बिजली का उपयोग केवल जरूरत के अनुसार करना चाहिए। ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी और सहभागिता आवश्यक है। अभियान में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने अपने घरों और आसपास के लोगों को भी ऊर्जा की बचत के प्रति जागरूक करने तथा अनावश्यक रूप से विद्युत उपकरणों का उपयोग न करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एआई से अखबार जैसी फर्जी खबरें बनाने पर रोक की मांग, आईटी मंत्रालय कर रहा जांच

फतेहगंज पश्चिमी के छात्र असद अंसारी ने उठाया मुद्दा, एआई मॉडल पर प्रतिबंध लगाने के लिए नियम बनाने की मांग

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी-आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अखबार में प्रकाशित खबर जैसी दिखने वाली फर्जी तस्वीरें तैयार कर सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने के मामले में फतेहगंज पश्चिमी के छात्र असद अंसारी ने प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में शिकायत दर्ज कराई है। तमाम ढ्ढ मॉडल के माध्यम से अखबार की खबर जैसी दिखने वाली फर्जी इमेज तैयार करने पर रोक लगाने के लिए प्रभावी नियम बनाने की मांग की है।वर्तमान समय में AI टूल की मदद से ऐसी तस्वीरें तैयार करना संभव है, जिनमें अखबार का नाम, लोगो, हेडलाइन, खबर, फोटो और पृष्ठ-सज्जा तक वास्तविक समाचार-पत्र जैसी दिखाई देती है। इस तरह मनगढ़ंत खबरों को असली अखबार में प्रकाशित समाचार के रूप में पेश करके सोशल मीडिया और व्हाट्सऐप पर प्रसारित किया जा सकता है। इससे आम लोगों के बीच भ्रम फैलने के साथ किसी व्यक्ति, अधिकारी, जनप्रतिनिधि या संस्था की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। वहीं, वास्तविक समाचार-पत्रों और पत्रकारिता की विश्वसनीयता भी प्रभावित हो सकती है, शिकायत में मांग की गई है कि ढ्ढ मॉडल विकसित करने वाली कंपनियों के लिए अनिवार्य सुरक्षा मानक निर्धारित किए जाएं और ऐसी तकनीकी व्यवस्था लागू हो, जिससे ढ्ढ के माध्यम से वास्तविक अखबार जैसी दिखने वाली फर्जी खबरों की इमेज तैयार करने पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। असद का कहना है कि केवल सोशल मीडिया पर फर्जी सामग्री प्रसारित होने के बाद कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी सामग्री के निर्माण के स्तर पर ही रोक लगाने के उपाय किए जाने चाहिए। पीएमओ शिकायत के बाद आईटी मंत्रालय कर रहा जांच मामला इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) के इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज एंड आईओटी डिवीजन को भेजा गया है संबंधित अधिकारी के रूप में श्री सुदीप श्रीवास्तव (संयुक्त सचिव एवं जीसी) मामले की जांच कर रहे हैं असद अंसारी ने केंद्र सरकार से इस मामले में प्रभावी नीति बनाने की मांग की है। उनका कहना है कि ढ्ढ तकनीक के दुरुपयोग को रोकना जरूरी है, ताकि फर्जी अखबारी खबरों के जरिए लोगों को गुमराह करने और समाज में भ्रामक सूचनाएं फैलाने पर अंकुश लगाया जा सके।

जिला अध्यक्ष अकरम खान ने मेरठ में प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल जी से की मुलाकात, संगठन विस्तार पर हुई चर्चा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मेरठ / बरेली-उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल बरेली के जिला अध्यक्ष अकरम खान ने बुधवार को मेरठ पहुंचकर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री लोकेश अग्रवाल जी से मुलाकात की। इस दौरान संगठन के विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। जिला अध्यक्ष अकरम खान ने बरेली जिले में संगठन की स्थिति, व्यापारियों की समस्याओं और आगामी कार्यक्रमों की जानकारी प्रदेश अध्यक्ष को दी।प्रदेश अध्यक्ष श्री लोकेश अग्रवाल जी ने संगठन को मजबूत करने, हर तहसील और बाजार तक संगठन को पहुंचाने और व्यापारी हितों के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि व्यापारी एकता ही संगठन की सबसे बड़ी ताकत है। इस मुलाकात में बरेली के जिला महासचिव कमल गुप्ता, जावेद आलम, जाकिर नेता जी, गौरव गर्ग, प्रदीप कुमार साहनी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मुलाकात के बाद जिला अध्यक्ष अकरम खान ने कहा कि संगठन को मजबूत करना ही हमारा संकल्प है।

संक्षिप्त समाचार

आप तो नहीं ले आए एक्सपायरी सरसों तेल: 2100 लीटर ऑयल बरामद, ट्रेडर्स ही कर रहा था पूरा खेल; अब हो गया एक्शन

खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन की सहायक आयुक्त ममता चौधरी ने बताया कि खुर्जा की दानगंज मंडी में अवैध रूप से खुला सरसों का तेल बेचा जा रहा था। सूचना के आधार पर मंगलवार को टीम की ओर से श्री गोपाल जी ट्रेडर्स पर कार्रवाई की गई। बेचा जा रहा था अवैध सरसो तेल खाद्य सुरक्षा एवं औषधी प्रशासन की सहायक आयुक्त ममता चौधरी ने बताया कि खुर्जा की दानगंज मंडी में अवैध रूप से खुला सरसों का तेल बेचा जा रहा था। सूचना के आधार पर मंगलवार को टीम की ओर से श्री गोपाल जी ट्रेडर्स पर कार्रवाई की गई। जहां पर देखा गया कि विक्रेता के पास ट्रेडर्स का लाइसेंस था, जिसके आधार पर वह खुला सरसों का तेल नहीं बेच सकता है।ट्रेडर्स पर हुई कार्रवाई- मौके पर अलग-अलग ड्रम में 800 लीटर तेल था। इसके अलावा पैकेट में बंद करीब 1300 लीटर एक्सपायरी तेल पाया गया। ऐसे में ड्रम को सील किया गया। साथ ही मौके से सोया ऑयल का एक और सरसों के तेल के दो नमूने लिए गए। जो जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। सहायक आयुक्त ने कहा कि आगामी कार्रवाई तक ट्रेडर्स की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। नमूने की रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।



डिलारी में गोकशी पर पुलिस का शिकंजा, पुराने आरोपियों को थाने बुलाकर दी कड़ी चेतावनी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



डिलारी । थाना डिलारी क्षेत्र में गोकशी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। गौवंश की सुरक्षा को लेकर प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस लगातार निगरानी और संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रख रही है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने पूर्व में गोकशी के मामलों में संलिप्त रहे व्यक्तियों को थाने बुलाकर ब्रीफ किया। इस दौरान उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल पाए जाने पर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने थाने बुलाए गए लोगों को यह भी हिदायत दी कि क्षेत्र में कहीं भी गोकशी की योजना बनने या इस तरह की गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। इसके साथ ही पुराने संदिग्धों से पूछताछ कर उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।थाना पुलिस के अनुसार, वर्तमान में डिलारी क्षेत्र में गौवंश की हत्या की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस का उद्देश्य क्षेत्र में ऐसी घटनाओं को पूरी तरह रोकना है। इसके लिए लगातार निगरानी, पूछताछ और आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है।प्रभारी निरीक्षक विजेंद्र सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया है कि गौवंश से जुड़े अपराधों को लेकर पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति रहेगी। कानून का उल्लंघन करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

झांसी का काली सरकार बना हरदोई का हिस्ट्रीशीटर प्रदीप शुक्ला गिरफ्तार

झांसी के मऊ रानीपुर थाना क्षेत्र के कुरैचा गांव में काली सरकार के नाम से दरबार चलाने वाले शहर कोतवाली के हिस्ट्रीशीटर प्रदीप शुक्ला उफ नटरोज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 33 साल पुराने आर्म्स एक्ट के मामले में उसके खिलाफ न्यायालय से गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। शहर कोतवाली पुलिस का दावा है कि बिलग्राम रोड के पास से उसकी गिरफ्तारी हुई है। उसे न्यायालय में पेश किया गया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया।शहर के चौहान थोक निवासी प्रदीप शुक्ला शहर कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर है।



उसका हिस्ट्रीशीट नंबर 36ए है। उसके खिलाफ जानलेवा हमला, गैर इरादतन हत्या, लूट, गुंडा एक्ट, अवैध शस्त्र अधिनियम, मिनी गुंडा एक्ट, यौन शोषण आदि धाराओं में 13 मामले दर्ज हैं। वर्ष 1993 में शहर कोतवाली में उसके खिलाफ अवैध शस्त्र अधिनियम के तहत मामलाा दर्ज किया गया था। इस मामले की सुनवाई न्यायालय में चल रही है। न्यायालय में हाजिर न होने के कारण उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया गया था। बीते दिनों पुलिस को पता चला था कि प्रदीप शुक्ला झांसी के मऊरानीपुर में काली सरकार के नाम से दरबार चलाता था। पुलिस से बचने के लिए वह वहां बाबा के वेश में रहता था। सीओ सिटी अजीत चौहान ने बताया कि बिलग्राम मार्ग से प्रदीप को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। न्यायालय से उसे जेल भेज दिया गया।

धनेटा फाटक पर खड़े वाहन से टकराई नेपाल जा रही बस, 32 यात्री घायल, एक की मौत

@ क्यूँ न लिखूँ सच







फतेहगंज पश्चिमी।नेशनलब हाइवे पर धनेटा रेलवे फाटक के पास मंगलवार तड़के करीब चार बजे बड़ा हादसा हो गया। हिमाचल प्रदेश से नेपाल के रुपईडीहा को जा रही यात्रियों से भरी पशु पति नाथ ट्रेवल्स बस चालक को झपकी आने से अनियंत्रितक होकर हाइवे किनारे खड़े अज्ञात ट्रक में पीछे से घुस गई।हादसे में चालक समेत 32 यात्री घायल हो गए।पुलिस ने एंबुलेंस से अलग अलग अस्पताल भेज दिए।मीरगंज सीएचसी पर भेजे गए घायलों में से एक को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया।सभी यात्री हिमाचल से मजदूरी करके अपने देश नेपाल लौट रहे थे।पुलिस ने शब को कब्जे में ले लिया है।लेकिन मृतक और घायलों के नाम और पते पता नहीं लग पाए है।पुलिस मृतक के पहचान का प्रयास कर रही है।जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले नेपाल के अलग अलग जिलों से करीब 45 लोग कई महीने पहलें हिमाचल प्रदेश मजदूरी करने गए थे। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया एक नवंबर को सभी मजदूरों ने घर वापसी को नेपाल आने के लिए पशु पतिनाथ ट्रेवल्स की बस संख्या K08PAv567 बुक कर ली।वह बस में सवार होकर हिमाचल प्रदेश से नेपाल के लिए रवाना हो गए।दिल्ली हाइवे पर मौजूद धनेटा के पास पहुंचने पर चालक को झपकी आने के कारण फाटक बंद होने के कारण हाईवे किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई।टक्कर लगते ही यात्रियों के चीख पुकार शुरू हो गई।सभी यात्री अर्श से फर्श पर गिरकर घायल हो गए।जबकि चालक समेत आगे बैठे यात्री गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से सभी को बाहर निकाला।सभी को पहुंची कई एंबुलेंस की मदद से अस्पताल भेजा दिया।मीरगंज सीएचसी पर भेजे गए 12 घायलों में से डॉक्टर ने एक को मृत घोषित कर दिया।जबकि चालक की हालत भी नाजुक बतायी जा रही है।किशन पुत्र जय बहादुर,12 वर्षीय दिनेश को राजश्री अस्पताल और 18 को बरेली के नवोदय हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। बस में सवार 13 यात्रियों को सुरक्षित बताया जा रहा है।पुलिस ने मृतक का शब कब्जे में ले लिया है।लेकिन उसकी पहचान नहीं होने के कारण उसके शब को मोर्चरी में रखवा दिया है। सीओ हाइवे ने बताया मृतक ठेकेदार लग रहा है।उसका नंबर नहीं लग रहा है।उसके घर फोन करने पर पत्नी ने बताया वह भी बस में थे।हादसे के बाद एनएचएआई की मदद से क्षतिग्रस्त बस को हाईवे से हटवाकर यातायात सुचारू कराया गया। पुलिस अन्य घायलों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बदायूं गनहाउस पर बिहार पुलिस ने मारा छापा, अभिलेख खंगाले; कारतूस तस्करी के मामले में कार्रवाई

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बिहार पुलिस और स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को बदायूं गनहाउस पर छापा मारा। यह कार्रवाई अवैध कारतूसों की तस्करी से जुड़े एक मामले में की गई। पुलिस टीमों ने गनहाउस के साथ उससे जुड़े गोदाम, घर और दुकान में भी जांच की। बदायूं में रोडवेज बस अड्डे के पास स्थित बदायूं गनहाउस पर मंगलवार को बिहार पुलिस और स्थानीय पुलिस ने छापा मारा। पुलिस टीम ने गनहाउस के साथ उससे जुड़े गोदाम, घर और दुकान पर भी पहुंचकर अभिलेखों की जांच की। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई अवैध कारतूसों की तस्करी से जुड़े एक प्रकरण में की गई। पुलिस ने काफी देर तक रिकॉर्ड खंगाले और संबंधित दस्तावेजों की जांच की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बिहार में सामने आए अवैध कारतूसों की तस्करी के मामले के तार बदायूं से जुड़ने के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है। बिहार पुलिस की टीम स्थानीय पुलिस को साथ लेकर रोडवेज स्थित बदायूं गनहाउस पहुंची। इसके बाद गनहाउस से जुड़े गोदाम, घर और दुकान पर भी जांच की गई। टीमें सुबह करीब 11 बजे बदायूं गन हाउस पर पहुंची थीं। टीम ने वहां उपलब्ध अभिलेखों और अन्य दस्तावेजों को देखा। कार्रवाई के दौरान पुलिस की गतिविधियों से इलाके में चर्चा रही। जांच में क्या सामने आया है, इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। स्थानीय पुलिस और संबंधित अधिकारियों ने भी फिलहाल कार्रवाई को लेकर कोई जानकारी देने से परहेज किया है। ऐसे में छापेमारी के पीछे की पूरी वजह और जांच के नतीजों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। पुलिस की जांच के बाद ही पूरे प्रकरण की तस्वीर साफ हो सकेगी। वही एसएसपी अंकिता शर्मा ने बताया कि अभी जांच चल रही है। कार्रवाई पूरी होने के बाद जानकारी दी जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिलारी (मुरादाबाद)

नोटिस ::

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मोहल्ला अंसारियान, वार्ड संख्या-17, तहसील बिलारी स्थित भवन संख्या-45, जो गृहकर अभिलेखों में श्री नजरुद्दीन पुत्र श्री अजीमुद्दीन निवासी मोहल्ला अंसारियान, कस्बा व तहसील बिलारी के नाम दर्ज है, पर श्री नरुद्दीन नजरुद्दीन, मजहरुद्दीन व मोहम्मद जाहिर व अजहरुद्दीन पुत्रगण श्री नजरुद्दीन निवासी मोहल्ला अंसारियान, कस्बा व तहसील बिलारी, जिला मुरादाबाद के द्वारा उक्त भवन के रकबा 123.98 वर्गमीटर पर गृहकर अभिलेखों में अपना नाम दर्ज कराने हेतु इस कार्यालय में एक प्रार्थना पत्र दिनांक 01/10/2026 को प्रेषित किया गया है। जिसके साक्ष्य में इनके द्वारा प्रार्थना पत्र के साथ शपथ पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, वारिसान की छायाप्रति संलग्न की गयी है।

क्र म सं0	भवन संख्या	मोहल्ला	वर्तमान में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन की दशा में गृहकर का प्रकार
1	45	अंसारियान	श्री नजरुद्दीन पुत्र श्री अजीमुद्दीन	श्री नरुद्दीन नजरुद्दीन, मजहरुद्दीन व मोहम्मद जाहिर व अजहरुद्दीन पुत्रगण श्री नजरुद्दीन

उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह इस नोटिस की तिथि से 30 दिन के भीतर अपनी आपत्ति साक्ष्यों सहित प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बिलारी
(मुरादाबाद)

केजीएमयू में छह साल की बच्ची की मौत, परिजन हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाते रहे, देखने नहीं आए डॉक्टर; हंगामा

लखनऊ के केजीएमयू में छह वर्षीय आरोही साहू की इलाज के दौरान मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि वेंटिलेटर से हटाकर सामान्य वार्ड में भर्ती करने के बाद बच्ची को ऑक्सीजन नहीं मिली। हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने समय से नहीं देखा। हंगामे के बाद पुलिस पहुंची। मौत की वजह स्पष्ट नहीं है।केजीएमयू के बाल रोग विभाग में इलाज के दौरान मंगलवार सुबह बच्ची की मौत हो गई। नाराज परिवारीजनों ने जमकर हंगामा किया। आरोप लगाया है कि आईसीयू वेंटिलेटर से हटाकर बच्ची को सामान्य वार्ड में भर्ती कर दिया। वहां ऑक्सीजन तक की व्यवस्था नहीं थी। सांस लेने में दिक्कत होने पर इलाज के अभाव में बच्ची की सांसें थम गईं। सूचना पर पुलिस पहुंची और परिजनों को शांत कराया। गोमतीनगर विकल्प खंड निवासी आरोही साहू (6 वर्ष)को जीबीएस (गिलियन-बैरे सिंड्रोम) की परेशानी थी। यह एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल बीमारी है। पिता बैज नाथ साहू ने बताया कि बेटी की 27 सितंबर को हालत बिगड़ गई थी। बेटी को लेकर केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर के चौथे तल पर लेकर पहुंचे। यहां पर घंटों इंतजार के बाद बच्ची को भर्ती किया गया। करीब एक माह 10 दिन बाद आरोही को वेंटिलेटर से हटाकर बाल रोग विभाग में शिफ्ट किया गया। यहां यहां बच्ची को आईसीयू में वेंटिलेटर सपोर्ट पर भर्ती किया। इलाज के बाद से सेहत में कुछ सुधार हुआ था। इसी दौरान डॉक्टरों ने बच्ची का वेंटिलेटर हटाकर सामान्य वार्ड में भर्ती कर दिया। आरोप हैं कि यहां ऑक्सीजन तक का बंदोबस्त नहीं था।

Good news for heart patients! Heart blockages can now be cleared without stents, research shows amazing results

A large international study has found that drug-coated balloons are as effective as modern stents for treating blockages in the heart arteries. Drug-coated balloons proved as effective as stents. Treating arteries Results of the TRANSFORM-II study treat blockages in the heart arteries drug-eluting stents. A large with balloons coated with the drug treatment success and complications drug-eluting stents. The results of this conference held in the United States prestigious medical journal "The nearly identical. After 12 months, 2.1 group experienced target lesion treated artery), compared to 2.4 complications included involved artery, and the need for re-treated treatment is no less effective of patients received stents. A 7.6 percent of patients treated with No definite or probable events, such this group, compared to 0.2 percent



without permanent metal will be possible - in The Lancet. Drug-coated balloons used to have proven to be as effective as modern international study found that patients treated sirolimus had no significant difference in over one year compared to those treated with research were presented at the TCT 2026 and have been accepted for publication in the Lancet." The results of both treatments were percent of patients in the balloon-treated failure (a recurrence of a problem in the percent in the stent-treated group. These cardiovascular death, heart attack in the treatment. The study proved that balloon-than stent-treated treatment. Only 7.6 percent significant finding of the study was that only balloon-treated patients required a stent later. as blood clots in the stent, were reported in in the stent-treated group. However, the rate of re-treatment for any reason was 2.5 percent in the balloon group, compared to 1.1 percent in the stent group. However, the need for re-treatment due to reduced blood flow was approximately the same in both groups. According to Dr. Bernardo Cortese, lead researcher of the study, if the blocked area of ??the artery is properly prepared, a balloon containing the drug sirolimus can provide stent-like results without leaving behind a permanent metal. He stated that proper technique and preparation for inserting a stent if needed are crucial in this treatment. The researchers stated that these results apply to patients whose arteries are suitable for balloon treatment. Patients with severe calcium deposits, major artery blockages, and some serious heart attacks were not included in the study. Patients will be monitored for five years to determine whether not using a permanent stent reduces future complications. The study was conducted by the Italian organization Fondazione RIC and funded by Concept Medical. The study, called TRANSFORM-II, involved 1,842 patients from 53 medical centers in 11 countries across Europe, Asia, and South America. These patients had previously been diagnosed with blockages in their heart arteries. They were divided into two groups: one was treated with a MagicTouch sirolimus-coated balloon, while the other was implanted with an everolimus-releasing stent. Patients treated with the balloon could also have a stent if needed.

Make these 7 natural drinks a daily habit instead of cold drinks, improving both digestion and immunity.

In today's fast-paced life, it's common to grab a cold drink to relieve fatigue. But did you know that this instant refreshment is slowly harming your body? Improve your health by switching from cold drinks to natural drinks. 7 natural drinks to boost digestion and immunity - the best options for keeping the body hydrated and energized. Staying fit and healthy isn't just a trend, it's a necessity today. Small habits can make a big difference in the long run, and the most important factor is what we drink throughout the day. Cold drinks may provide instant relief, but incorporating natural drinks into your daily routine is a smart and healthy choice. These natural drinks not only keep the body hydrated but also provide essential nutrition, boost immunity, improve digestion, and keep you energized throughout the day. As we move towards a healthy lifestyle, let's learn about these excellent drinks. Coconut Water - This is an excellent natural drink that instantly quenches thirst and hydrates the body. The electrolytes in coconut water keep the body cool in the summer and banish all fatigue. Lemon Water - Lemon water not only refreshes but also detoxifies the body from within. Rich in vitamin C, it boosts your immunity and helps maintain glowing skin. Buttermilk - Buttermilk is light and easily digestible. The probiotics present in it strengthen your digestive system. In summer, it not only cools the body but also provides instant relief from gas and acidity. Wood Apple Juice - Wood Apple Juice is excellent for cooling the body and relieving stomach problems. It is especially beneficial in the summer season and strengthens the body from within. Green Tea - Rich in antioxidants, green tea is an excellent option for detoxifying the body and



boosting metabolism. It also aids weight loss and keeps you feeling refreshed throughout the day. Fresh Fruit Juice - Fresh fruit juices like orange, pomegranate, and watermelon provide the body with essential nutrients. They provide instant energy and maintain healthy skin. Mint and Cumin Water - Water made with mint and cumin seeds is very beneficial for digestion. It naturally cools the body and reduces stomach problems. Choosing these natural drinks over cold drinks is a great health decision. These drinks not only keep you hydrated but also nourish you from within, making you fit and energetic.

Your face will glow and maintain its radiance even in the cold, just include these fruits in your diet.

To maintain your skin's radiance and glow in winter, it's essential to include nutritious fruits in your diet. Cold air, insufficient sunlight, and dehydration have a direct impact on our skin. Skin can become dry, dull, and withered. In such a



situation, simply applying creams and lotions externally is not enough; providing proper nutrition from within is equally important. If you want your skin to remain radiant, radiant, and naturally glowing even in the cold season, be sure to include healthy and nutritious fruits in your daily diet. Fruits provide the body with essential vitamins, minerals, and antioxidants, which help repair, hydrate, and control aging. So, let's learn about some fruits that are extremely beneficial for maintaining your skin's beauty in winter. Apples are rich in fiber, vitamin A, and vitamin C. It helps detoxify the body, leading to clear and glowing skin. Apples maintain moisture in the skin and reduce dryness. Eating an apple daily improves digestion, which also reduces the problem of pimples and blemishes. Eating apples in winter keeps the skin fresh and healthy. Bananas - Bananas are rich in potassium, vitamin B6, and natural sugars, which nourish the skin from within. They help keep the skin hydrated and prevent dryness. Bananas also provide energy, which helps keep fatigue and dullness at bay. Eating a banana daily keeps the skin soft, smooth, and glowing. Citrus fruits (oranges, seasonal fruits, lemons) - Citrus fruits are a powerhouse of vitamin C. They increase collagen production, making the skin appear tight and youthful. The antioxidants in citrus fruits protect the skin from free radicals and bring a natural glow. Eating an orange or seasonal fruit daily can help brighten your face. Pomegranate - Pomegranate is considered a superfood for the skin. It contains abundant antioxidants that repair skin cells and reduce the effects of aging. Pomegranate improves blood circulation, giving your face a rosy glow. Regular consumption can also reduce blemishes and pimples. Papaya - Papaya is rich in vitamins A, C, and enzymes. It helps remove dead skin cells and create new ones. Papaya leaves your skin soft, clear, and glowing. Consuming it in winter nourishes your skin from within, preventing dryness. If you want to keep your skin glowing and radiant even in winter, be sure to include these fruits in your daily diet. Also, drink plenty of water, eat a healthy diet, and get good sleep. With proper nutrition from within, your skin will automatically appear healthy, soft, and glowing.

Sai Pallavi appears in the divine form of Mother Sita, the daughter of the earth, the princess of Mithila; a new promo for 'Ramayana' released

A new promo featuring Sai Pallavi as Sita from Namit Malhotra's 'Ramayana' has been released. A new promo for 'Ramayana' has been released. Sai Pallavi brings the simplicity of



Mother Sita to the screen - the mythological film will release on November 5th. Fans are very excited about Ramayan, which is releasing just before Diwali. The makers are leaving no stone unturned to maintain this excitement. After releasing Ravi Dubey's new look poster as Laxman, the makers have now released a promo featuring Sai Pallavi as Sita. The promo shows a divine glimpse of Sai Pallavi as Sita. Namit Malhotra recently shared this promo on social media, which shows a divine glimpse of Sai Pallavi as Sita. The promo was captioned, "Daughter of the Earth, Princess of Mithila, bound by love and inspired by Dharma. Sai Pallavi as Sita, the promo is here. Experience Ramayan in cinemas worldwide, across all premium formats, starting November 5th." In this promo, Sai Pallavi can be seen in different avatars of Mother Sita. The simplicity of Mother Sita is clearly visible on Sai Pallavi's face, seen before her wedding, after her wedding, and during her exile. Fans praised Sai Pallavi's simplicity. In the comments section of the promo, fans praised Sai Pallavi's look and simplicity. One wrote, "Excited to see Sai Pallavi in ??the avatar of Mother Sita." Another commented, "Perfect Sita." Another wrote, "The Universal Princess." About Ramayan: Produced by Namit Malhotra, Ramayan will be released in two parts. The first part will be released on Diwali 2026, and the second part on Diwali 2027. The film stars Ranbir Kapoor as Ram, Yash as Ravana, Sai Pallavi as Sita, and Sunny Deol as Hanuman. The film will be released in theaters on November 6th, and advance booking has already begun 15 days in advance.

The Shah Rukh Khan-Deepika Padukone duo, which has been ruling the box office for 20 years, is ready to create a stir again in 'King'.

A new song featuring Shah Rukh Khan and Deepika Padukone from 'King' has been released, and audiences are showering them with love. 7 reasons why their onscreen chemistry is unmatched: They have worked from Shah Rukh Khan and been released. The song has beloved on-screen couples. seen together, and their romance to their powerful such a special pair. Let's explore Khan and Deepika Padukone film - From Om Shanti Om to Shah Rukh Khan and Deepika screen. Their ease and chemistry "Tu Mil Jaaye," once again magic is created. 2. A box office Rukh Khan and Deepika successes. Films like Chennai love from audiences and considered one of the most each other beautifully on screen. blend beautifully. Shah Rukh



together in numerous films. The first song, 'Tu Mil Jaaye,' Deepika Padukone's most anticipated film, 'King,' has finally reignited the buzz around one of Indian cinema's most Shah Rukh Khan and Deepika Padukone are once again chemistry is winning audiences' hearts. From their sizzling screen presence, this pair has once again proven why they're seven reasons why we can't stop yearning to see Shah Rukh together. 1. Their chemistry, which grows stronger with each Chennai Express, Happy New Year, Pathan, and now King, Padukone have delivered many memorable moments on has only grown stronger with each film. Their new song, reminds us that whenever they appear together, a unique hit - In addition to their sizzling on-screen chemistry, Shah Padukone have also achieved several major box office Express, Happy New Year, and Pathan received immense generated impressive earnings. This is why they are successful couples in Hindi cinema. 3. They complement The greatest strength of this pair is that their personalities Khan wins the hearts of audiences with his distinctive style, charm, and romantic image, while Deepika Padukone dominates the screen with her beauty, confidence, and powerful screen presence. Neither of them overpowers the other; instead, they create a balance that makes every scene they share even more captivating. A romance that never tires of watching—watching Shah Rukh Khan romance Deepika Padukone is a truly special experience. Whether it's the memorable moments in Om Shanti Om, the playful romance in Chennai Express, or their stellar pairing in Pathan, they have always given audiences moments that are long-cherished. Their romance possesses a magic that never fades with time. 'Tu Mil Jaye' brings back that magic once again. 5. They enhance each other's performances - Some on-screen couples have a unique chemistry, and the Shah Rukh Khan-Deepika Padukone pairing is a prime example. Their ease with each other, their on-screen energy, and their ability to enhance each other's performances make their films special. Over the years, audiences have seen them portray different emotions and a variety of roles. Each time, they bring something new to the table, making their pairing even more interesting. The royal pairing of 'King' and 'Queen' - There's a reason why this pair is called King and Queen. Shah Rukh Khan's stardom and Deepika Padukone's charm combine to make a formidable pair. Both are major stars in their own right, and when they come together, their on-screen presence becomes even more magnificent. The duo's presence in the film "King" has once again rekindled audience excitement for this beloved pair. Their connection with the audience is unparalleled. The biggest proof of this pair's popularity is that whenever they appear together, the audience is filled with excitement. From reliving old memories on social media to praising their chemistry, the fans' love is constantly evident. The response to "Tu Mil Jaye" is a testament to the audience's excitement to see them together. Many fans even believe that if Shah Rukh Khan is there, Deepika Padukone must be there with him. With "King," Shah Rukh Khan and Deepika Padukone are set to add another glorious chapter to their memorable journey together, and if the response to "Tu Mil Jaye" is anything to go by, the King and Queen have once again won the hearts of audiences. "King" is set to release in theaters on December 24th.

Jaya Bachchan used to call Amitabh Bachchan by this name in front of his father-in-law; the actress reformed after being scolded.

Amitabh Bachchan, recalling the old days of their marriage, revealed that Jaya Bachchan gave him a nickname that forced Harivansh Rai Bachchan to interrupt him. Jaya Bachchan gave Big B a nickname; the actress used to call him by this name in front of his father-in-law. Amitabh Bachchan shares a funny anecdote. Amitabh Bachchan and Jaya Bachchan are one of Bollywood's most iconic couples. They have been married for over 53 years. Recently, sharing an anecdote from after his marriage to Jaya Bachchan, Big B revealed that his wife repeatedly called him by a name that forced the Shahenshah's father to interrupt the actress. Jaya Bachchan gave Big B this nickname. Amitabh Bachchan shared this anecdote about Jaya Bachchan not anywhere else but with Ranbir Kapoor on the stage of Kaun Banega Crorepati. He said, "For many years, Jaya used to call me 'Lambuji'. Then she was told off. Babuji (Harivansh Rai Bachchan) lovingly scolded her, saying, 'Look, don't say that, or use my name, or anything else.' After Babuji explained it to her, she started calling me by my name." This image comes to Ranbir's mind.Actually, this conversation between the two superstars started with a discussion about height. Ranbir described himself as tall like Amitabh Bachchan and Alia Bhatt as short like Jaya Bachchan. He said, "I always have that image in my mind that I'm tall like Amitji, and Alia is a little shorter like Jaya Aunty. I think that difference is nice. That's what really comes to my mind." Responding to Ranbir's observation, Big B said, "No, sir, there's a huge difference in height." When Ranbir then asked Big B about his actual height, Big B replied, "I'm 6 feet 2 inches, and she's probably 5 feet 3 or 4 inches." Ranbir then explained that he and Alia Bhatt are also around the same height. Ranbir Kapoor's film is ready for release - Kaun Banega Crorepati 18 also featured Ranbir Kapoor, along with Sai Pallavi, who played the role of Mother Sita in Ramayan Part 1. She spoke openly about her career and had a lot of fun. Directed by Nitesh Tiwari, Ramayan is releasing during Diwali week. The first part of the movie will hit theaters on November 5, 2026. In addition to Ranbir and Sai, the film also stars Ravi Dubey, Arun Govil, Lara Dutta, Rakul Preet Singh, Yash, and Sunny Deol in pivotal roles.

